ब्रिक्स पर कांग्रेस में मतभेद.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जो हित में था, उसे अपनाया... 11

वर्ष - 02, अंक - 160 | गाजियाबाद / शनिवार 12 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त

ट्रक-बोलेरो भिड़े, 8 लोगों की मौत

जेसीबी-क्रेन से गाड़ी हटाई गई, रायपुर से नागपुर जाते वक्त हादसा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से

नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। इससे पहले गुरुवार को नांदेड जिले में नांदेड-भोकर रोड पर वैन और ट्रक की टक्कर हो गई थी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शाम करीब 7 बजे सीताखंडी घाट के पास हुआ। टाटा मैजिक वैन नांदेड से भोकर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था

आईएमएफ ने की तारीफ, कहा- दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ की है। साथ ही भारत को दुनिया का ग्रोथ इंजन भी बताया है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऊर्जा संकट और वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपनी तेज रफ्तार बरकरार रखी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी दर्ज की गई है। आईएमएफ ने भारत के इस बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि

मजबूत सर्विसेज सेक्टर और बेहतर एक्सपोर्ट के दम पर यह ग्रोथ उम्मीद से काफी बेहतर रही है। आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजाक ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ उनके अनुमान और मार्केट एक्सपर्ट्स की उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि सर्विसेज और एक्सपोर्ट में बेहतर प्रदर्शन ने इस ग्रोथ को रफ्तार दी है। जूली कोजाक के मुताबिक, यह प्रदर्शन दिखाता है कि एनर्जी प्राइस शॉक के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह मजबूत है।

ब्रिक्स में पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज, कमजोर देश खुद को जी7 क्यों कहते हैं

पीएम मोदी बोले- ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जी7 पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आता कि जी7 को 'ग्रुप ऑफ सेवन' क्यों कहा जाता है।

पुतिन ने कहा कि पिछले 5 साल में दुनिया की 40 प्रतिशत से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई है, जबकि जी7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29 प्रतिशत रही। दुनिया की आर्थिक ग्रोथ में भी इसकी हिस्सेदारी आधे से ज्यादा रही, जबकि जी7 का योगदान सिर्फ 18 प्रतिशत रहा।

उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह ब्रिक्स देशों की आधी से ज्यादा आबादी और उनके तेजी से बढ़ते घरेलू बाजार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने भी फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40 प्रतिशत जीडीपी और 25 प्रतिशत से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं।

पुतिन को भेंट की महाकाव्य 'तिरुक्कुरल' फिर समझाया जीवन का सार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तमिल किताब तिरुक्कुरल भेंट की है। यह पुस्तक तमिल लेखक संत तिरुवल्लुवर ने लिखी है और पुतिन को इसका रूसी संस्करण दिया गया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के भारत आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत के लिए भारत मंडपम पहुंचे तो पीएम मोदी ने उन्हें प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरलरूसी अनुवाद सौंपा। तिरुक्कुरल तमिल संत, कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर ने लिखी है। करीब 2000 साल पुरानी इस तमिल किताब का रूसी अनुवाद नायरा मकर्चयन ने किया है। इस प्राचीन ग्रंथ को सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल ने प्रकाशित किया है। इस पुस्तक में मूल तमिल पाठ के छंदों का रूसी अनुवाद है।

दिल्ली में दुनिया की बड़ी ताकतें करेंगी मंथन

ब्रिक्स समिट आज से, भारत कर रहा है शक्ति प्रदर्शन

- पेजेशकियान ने कहा, एकतरफा रवैये का मुकाबला करेंगे
- मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, संबंधों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां लगभग-लगभग पूरी हो चुकी है। ऐसे में अब दुनियाभर के नेताओं का आगमन भी लगातार चर्चा में है। इसी बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंच गए हैं। यहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। तेहरान से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ईरानी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स के मुख्य उद्देश्यों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि इस संगठन का मुख्य उद्देश्य दुनिया में एकतरफावाद का मुकाबला करना है।

अमेरिकी डॉलर को लेकर भी बोले पेजेशकियान

पेजेशकियान आगे कहा था क ब्रिक्स के भीतर एक विशेष बैंक बनाया गया है और हम देशों के बीच आपसी निवेश को बढ़ावा देने जा रहे हैं ताकि सदस्य देशों के बीच लेन-देन डॉलर पर निर्भरता के बिना हो सके। इससे अमेरिकी डॉलर की मनमानी और आधिपत्य को कम करने में मदद मिलेगी। इतना ही नहीं पेजेशकियान ने बताया कि इस सम्मेलन में स्वतंत्रता, एकजुटता, स्थिरता, प्रतिरोध और इनोवेशन जैसे मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक, वित्तीय, औद्योगिक और व्यापार से जुड़े अहम विषयों पर चर्चा की जाएगी। ईरानी राष्ट्रपति ने भारत और ईरान के संबंध को लेकर भी अपना बात रखी। उन्होंने ईरान और भारत के पुराने रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश अपनी समानताओं का दायरा और बढ़ा सकते हैं। बता दें कि भारत यात्रा के दौरान उनका चीन, रूस, ब्राजील और भारत समेत कई अन्य देशों के अधिकारियों से मिलने का भी कार्यक्रम है। इससे पहले दोनों नेता बिश्केक में मिले थे।

जासूसी कांड के बाद पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के बदले नियम

- प्राइवेट टूर पर लगी रोक, वीजा अप्लाई की शर्तें भी बदलीं

हिसार (एजेंसी)। केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर धार्मिक यात्रा के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर करते हैं, ताकि उनसे जासूसी करा सकें। इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पाबंदी लगा दी है।

वीजा की शर्तें भी बदल दी गई हैं। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के टूरिज्म इंचार्ज हरकीरत सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ज्योति मल्होत्रा जैसे जासूसी केस मिलने के बाद से प्राइवेट स्पॉन्सर टूर बंद कर दिए गए हैं। पहले पाकिस्तान जाने वाले लोग वहां की एजेंसी से संपर्क कर टूर प्रोग्राम अरेंज करते थे। फिर यहां से वहां जाकर धार्मिक टूर करते थे। भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक यात्राएं दोनों माध्यमों (इंडिविजुअल और जत्थे) से होती हैं। अधिकांश श्रद्धालु भारत पाकिस्तान 'रिलीजियस श्राइन्स प्रोटोकॉल 1974' के तहत जत्थों (ग्रुप) में यात्रा करते हैं। इसमें विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय की ओर से वीजा पर चर्चा हुई।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा।

ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस में मचा घमासान

पूर्व वित्तमंत्री चिदंबरम ने पूछा-ब्रिक्स से देश को क्या मिला

थरूर बोले-11 देशों को एक मंच पर लाना भारत की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ब्रिक्स समिट को लेकर कांग्रेस के दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने पूछा था, 'इस ब्रिक्स से भारत को क्या फायदा हुआ।' देश में 2012, 2016 और 2021 में भी समिट हो चुके हैं। उधर, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने समिट के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि भारत में सम्मेलन होना देश की कूटनीतिक ताकत को दिखाता है। 11 देशों के बड़े नेताओं का भारत आना और उन्हें एक मंच पर लाना भारत की दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दर्शाता है। 18वें ब्रिक्स समिट का आयोजन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होगा। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के शी जिनपिंग समेत 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेता शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, टेक्नोलॉजी और एनर्जी जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

चिदंबरम ने कहा था- इन संगठनों की सदस्यता पर विचार हो

चिदंबरम ने बुधवार को सवाल किया था कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी 20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन संगठनों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। थरूर ने शनिवार को ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ में 100 से ज्यादा देश हैं, लेकिन ब्रिक्स में शामिल 11 प्रमुख देश दुनिया की बड़ी आबादी और करीब 41 फीसदी वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस साल ब्रिक्स की कमान भारत के पास है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है। इसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, ईरान, इथियोपिया आदि देश हैं।

शुभेंदु ने मंदिर में बैठकर खाई मछली

बागेश्वर बाबा के नॉन-वेज न खाने के विवाद को किया खत्म

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कालीघाट के मां काली मंदिर में बैठकर मछली खाई, जिससे ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी बाबा बागेश्वर के दुर्गापूजा में नॉन-वेज न खाने वाले विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रही है। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहार छोड़ने की अपील की थी।

तमिलनाडु के मंदिरों में अब लागू होगी नई व्यवस्था

- मंदिरों के प्रसाद की क्वालिटी और कीमत होगी तय
- थलपति विजय की सरकार ने ले लिया बड़ा फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंदिरों में मिलने वाले प्रसाद की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत को लेकर थलपति विजय की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।। प्रसाद को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने 10 तरह के आम प्रसाद के लिए एक मास्टर स्कीम तैयार की है। इसके तहत पूरे राज्य में भक्तों को तय मानक के अनुसार प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। नई

व्यवस्था में प्रसाद की रेसिपी, सामग्री का अनुपात, मात्रा, बैच साइज, कीमत और पैकेजिंग का मानक तय किया जाएगा। मंदिरों को प्रसाद परिसर में ही तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के मुताबिक, प्रसाद की गुणवत्ता और बनाने की प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए इसे बाहर से बनवाने की व्यवस्था को हतोत्साहित किया जाएगा। विभाग कमिश्नर टीजी विनय के सर्कुलर के मुताबिक, प्रसाद तैयार करने में आविन घी और कोऑपरेटिव स्टोर की दरों पर खरीदी गई सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रसाद की कीमत सब देखकर तय होगी।

पैकेजिंग पर देनी होगी पूरी जानकारी

प्रसाद की पैकेजिंग को लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) रूल्स, 2011 के नियम 27 के अनुरूप रखना होगा। पैकेट पर निर्माता या आयातक का नाम-पता, उत्पाद का सामान्य नाम, कुल मात्रा, निर्माण या पैकिंग की तारीख, एमआरपी, यूनिट बिक्री मूल्य और शिकायत के लिए ग्राहक संपर्क की जानकारी दर्ज करनी होगी। बता दें कि कई मंदिरों में प्रसाद बनाने और बेचने का काम बाहरी एजेंसियों को दिया जाता है। ऐसे में इसकी तैयारी और गुणवत्ता पर विभाग का सीधा नियंत्रण नहीं रहता। नई व्यवस्था का उद्देश्य प्रसाद की गुणवत्ता और बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है। हालांकि, जिन मंदिरों में पारंपरिक रेसिपी के अनुसार प्रसाद तैयार होता है।

कांग्रेस क्या चाहती है, कश्मीरी जेल जाएं

उमर ने पूछा, कहा-सरकारी कार्यक्रमों में नियम मानना जरूरी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वंदे मातरम के सभी छह पैरा को लेकर जो प्रावधान लागू है, उसका सरकार को पालन करना होगा। वंदे मातरम के दौरान खड़े न होने के कानूनी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, कांग्रेस क्या चाहती है, कि कश्मीरियों को इस कारण जेल में डाल दिया जाए। उमर ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में लागू नियमों और प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। ये नियम सिर्फ जम्मू-कश्मीर नहीं, बल्कि पूरे देश में सरकारी कार्यक्रमों पर लागू होते हैं। दरअसल, सोमवार को श्रीनगर में सीएम उमर और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला की मौजूदगी में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण हुआ था। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की थी कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे।

ब्रिक्स पर कांग्रेस में मतभेद: चिदंबरम के सवाल, थरूर की जमकर तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, कांग्रेस के भीतर मुद्दे पर दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं, इन बयानों ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने पूछा है कि इस समूह से भारत को क्या ठोस फायदा हुआ है, जबकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ब्रिक्स आयोजन को भारत की कूटनीतिक ताकत और वैश्विक पहुंच का प्रमाण बताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी-20, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन सभी मंचों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स समिट भारत में आयोजित किए जा चुके हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों का समूह) के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि 11 सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं को एक मंच पर लाना भारत की वैश्विक कूटनीति और दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दिखाता है। कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि ब्रिक्स में भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के मूल सदस्य देशों के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई, सऊदी अरब और इंडोनेशिया भी शामिल हैं, जो दुनिया की बड़ी आबादी और लगभग 41 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, थरूर ने ब्रिक्स के सामने कुछ चुनौतियां भी गिनाईं, जैसे सदस्य देशों के हितों में मतभेद और ईरान-इजराइल व रूस-यूक्रेन जैसे मुद्दों पर आम सहमति का अभाव, जिसके कारण मई में हुई विदेश मंत्रियों की बैठक में साझा बयान जारी नहीं हो सका था। उन्होंने भारत के ब्रिक्स देशों के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को भी चिंता का विषय बताया।

आगामी 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होना है। इसमें सभी 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेता, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के शी जिनपिंग शामिल हैं। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, टेक्नोलॉजी और ऊर्जा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत कर रहा है और उसका फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर है, जिसका उद्देश्य ब्रिक्स को एक व्यापक व्यापार, निवेश और विकास मंच के रूप में बढ़ावा देना है।

कांग्रेस पार्टी के इन विरोधाभासी बयानों पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तुरंत निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि थरूर का ब्रिक्स समिट को भारत के लिए बड़ी प्रतिष्ठा बताना कांग्रेस के भीतर की अलग-अलग राय को उजागर करता है, जिससे पार्टी में अंदरूनी मतभेद साफ दिखाते हैं।

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादी को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन तीनों उग्रवादियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। तेंगनौपाल जिले के खारो खुल्लेन में एक तलाशी अभियान के दौरान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थौबल जिले के हेइरोक निवासी एन सुरेश सिंह (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक असम राइफल्स की सूचना के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के खाबेसोई से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। उसकी पहचान एम सनथोई मेइतेई के रूप में हुई है और वह संगठन के नए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल था। इसके अलावा, बिष्णुपुर जिले के कुंबी थाना क्षेत्र के इथाई कुंबी से कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 43 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान की नाम जानकारी नहीं मिल सकी।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है। हालांकि, सीजेपी की टीम ने 1936 में बने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जंडियाली का भी दौरा किया, जहाँ मरम्मत के बावजूद पुराना ढांचा अभी भी बना हुआ है। दास ने उम्मीद जाहिर की कि इन बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजाब सरकार इस पर ध्यान देगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इसतरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स समूह दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे मौजूदा चुनौतियों के बीच इसकी भूमिका और भी अहम होती है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट की मेजबानी कर रहा है।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांपी। अलीपुरद्वार में सुबह 6 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब 9 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोगों में हलचल मच गई, हालांकि अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

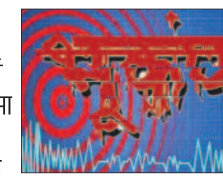

अलीपुरद्वार में आया भूकंप शुक्रवार को भारत में दर्ज हुई भूकंपीय गतिविधियों का हिस्सा था। इससे पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों में धरती हिली। एनएससी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात 12 बजकर 27 मिनट पर लेह-लद्दाख में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब 12 किलोमीटर थी। इसके बाद असम में भी भूकंप दर्ज किया गया, शुक्रवार रात 1 बजकर 20 मिनट के आसपास दिमा हसाओ इलाके में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 39 किलोमीटर थी। यानी शुक्रवार की सुबह तक भारत में कम तीव्रता वाले कई भूकंप दर्ज किए जा चुके थे, जिनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 3.7 की लेह-लद्दाख में थी। भारत के बाहर के इलाकों में भी शुक्रवार को भूकंप दर्ज हुए। एनएससी के अनुसार, सुबह 4 बजकर 2 मिनट के आसपास तिब्बत में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 30 किलोमीटर थी। इसके कुछ समय बाद सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर अफगानिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी गहराई 163 किलोमीटर थी।

अतिक्रमण के खिलाफ चला प्रशासन का पीला पंजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमणमुक्त करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में शुक्रवार को नगर मजिस्ट्रेट हर गिरि के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने ललतारौ पुल से बाल्मीकि चौक तक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

प्रशासन की कार्रवाई से सड़क और फुटपाथ पर दुकानें सजाने, सामान रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने वालों में हड़कंप मच गया। प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही कई अतिक्रमणकारियों ने स्वयं अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। जिन स्थानों पर अतिक्रमण नहीं हटाया गया, वहां टीम ने सख्ती दिखाते हुए उसे हटाया। अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा सार्वजनिक मार्गों पर कब्जा न करने की चेतावनी दी।

नगर मजिस्ट्रेट हर गिरि ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों और सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों को आमजन के आवागमन के लिए सुगम बनाना है। अभियान के दौरान जिला प्रशासन, नगर निगम की टीम और पुलिस बल मौजूद रहा।

बीज विधेयक को किसान केंद्रित बनाने की मांग, भारतीय कृषक समाज ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

किसानों को त्वरित मुआवजा, राज्यों को अधिक अधिकार और बीजों की कीमत नियंत्रित करने की उठाई मांग

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित नए बीज विधेयक, 2025 को लेकर भारतीय कृषक समाज ने किसानों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव केंद्र सरकार के समक्ष रखे हैं। भारतीय कृषक समाज के अध्यक्ष कृष्णवीर सिंह चौधरी ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को दिए सुझावों में कहा है कि नया विधेयक गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता और नकली बीजों पर रोक की दिशा में सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इसे किसान केंद्रित बनाना जरूरी है।

त्वरित मुआवजे के लिए हो स्वतंत्र समिति

कृष्णवीर सिंह चौधरी ने कहा कि यदि पंजीकृत बीज से अपेक्षित उत्पादन नहीं मिलता है तो किसान को मुआवजे के लिए उपभोक्ता अदालतों की लंबी और खचीर्ली प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसके स्थान पर विकासखंड या जिला स्तर पर स्वतंत्र कृषि शिकायत निवारण समिति गठित की जानी चाहिए, ताकि बीज विफल होने की स्थिति में किसानों को शीघ्र मुआवजा मिल सके।

राज्यों के अधिकार और बीजों की कीमत पर नियंत्रण की मांग

भारतीय कृषक समाज ने विधेयक में शक्तियों के अत्यधिक केंद्रीकरण पर चिंता जताते हुए राज्यों को अपने कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुपयुक्त बीजों पर रोक लगाने, लाइसेंस रद्द करने और आवश्यकतानुसार मूल्य नियंत्रण का स्पष्ट अधिकार देने की मांग की है। बड़े निजी और बहुराष्ट्रीय बीज उत्पादकों द्वारा मनमानी कीमत वसूलने से किसानों को बचाने के लिए बीजों की अधिकतम कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था की मांग भी की गई है।

पारंपरिक बीजों और बीज संप्रभुता की सुरक्षा जरूरी

कृष्णवीर सिंह चौधरी ने किसानों के पारंपरिक बीजों को बोने, आदान-प्रदान करने और बेचने के अधिकार को सुरक्षित रखने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि स्थानीय बीजों और जैविक खेती करने वाले छोटे किसानों को अनावश्यक पंजीकरण और नियमों में नहीं उलझाया जाना चाहिए। विदेशी परीक्षण और प्रमाणन एजेंसियों को मान्यता देने के प्रस्ताव पर भी उन्होंने चिंता जताते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका मजबूत रखने की बात कही।

बड़ी कंपनियों के एकाधिकार पर लगे रोक

भारतीय कृषक समाज ने कहा कि केंद्रीय मान्यता व्यवस्था और क्यूआर कोड आधारित निगरानी जैसे प्रावधान छोटे बीज उत्पादकों और किसान उत्पादक संगठनों के लिए सरल किए जाने चाहिए। कृष्णवीर सिंह चौधरी ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा की पहली आवश्यकता बीज है। आनुवंशिक रूप से संशोधित, पारजीनी और जीन संपादन जैसी तकनीकों के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बीज क्षेत्र पर एकाधिकार देश की बीज स्वतंत्रता और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक के नाम पर देश की खाद्य सुरक्षा से समझौता स्वीकार्य नहीं है। भारतीय कृषक समाज ने मांग की कि अंतिम विधेयक में किसान की बीज संप्रभुता, त्वरित मुआवजा और राज्यों की स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

जनगणना 2027 का रोडमैप तैयार: 16 नवंबर से ऑनलाइन स्व-गणना

1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं, जिसमें इस बार नागरिकों को अपना ब्योरा स्व-गणना के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा 16 से 30 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। जो परिवार स्व-गणना करेंगे, उन्हें एक पहचान संख्या मिलेगी, जिसे प्रगणक को बताना होगा। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। जनगणना के दौरान जाति और राष्ट्रीयता से जुड़ी जानकारी व्यक्ति की ओर से दी गई सूचना के आधार पर दर्ज की जाएगी। इसके लिए किसी नागरिक से प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार से निर्धारित 40 सवाल पूछकर जानकारी दर्ज की जाएगी। घर-घर जनगणना प्रक्रिया के बाद, 5 से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण कार्य होगा।

जनगणना की संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है। औरैया में जिलाधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों को समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिले में जनगणना के लिए 50 फील्ड ट्रेनर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अक्टूबर में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित करेंगे। ये फील्ड ट्रेनर 20 नवंबर से पहले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना प्रक्रिया समझाएंगे। लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण-शहरी इलाकों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें पेंटिंग, रंगोली, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और प्रभात फेरी जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। ग्रामीण और शहरी इलाकों में वॉल पेंटिंग, बैनर-पोस्टर, होर्डिंग, कूड़ा संग्रहण वाहनों और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने छोटे जागरूकता वीडियो और डिजिटल प्रचार सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि जनगणना से जुटाए जाने वाले आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीति निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय से पूरी करने को कहा।

पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र कुलश्रेष्ठ का अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पुलिस मॉडर्न स्कूल रोशनाबाद में कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र कुलश्रेष्ठ ने राष्ट्रीय स्तर की वोविनाम मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर हरिद्वार पुलिस और विद्यालय का मान बढ़ाया है। जम्मू-कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुलश्रेष्ठ का आगामी नवंबर में कंबोडिया में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। वह प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। छात्र की इस उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह ने उसे बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारियों के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थियों का पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना गर्व का विषय है। ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होना छात्र की मेहनत, प्रतिभा और लगन का परिणाम है। इस उपलब्धि से विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन बलूनी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन प्रवीण आलोक, प्रधानाचार्य ममता तोमर और खेल प्रशिक्षक धीरज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य तेल के भ्रामक दावों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, निमार्ता कंपनी, अमेजन और अभिनेत्री को नोटिस

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने भ्रामक विज्ञापनों और खाद्य उत्पादों पर किए जा रहे गलत दावों के खिलाफ अभियान के तहत खाद्य तेल के एक मामले में निमार्ता कंपनी, ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन और अभिनेत्री अर्चना पूरण सिंह को नोटिस जारी किए हैं। खाद्य तेल के लेबल, विज्ञापन और ई-कॉमर्स मंच पर प्रदर्शित उत्पाद संबंधी जानकारी की जांच में कथित अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त एवं अभिहित अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने प्रीत लाइट गोल्ड मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल का नमूना प्रयोगशाला जांच के लिए लिया था। उत्पाद के लेबल पर अभिनेत्री अर्चना पूरण सिंह की तस्वीर के साथ खाना बनाओ, स्वाद पाओ टैगलाइन का इस्तेमाल किया गया था। साथ ही लेबल पर फोर्टिफाइड फूड का लोगो भी प्रदर्शित था। जांच में विभाग ने पाया कि निमार्ता कंपनी तपन एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, आगरा द्वारा फूड फोर्टिफाइड लोगो के प्रमाणन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए थे। इसके अलावा उत्पाद के लेबल पर विभिन्न दावे और

स्वास्थ्य संबंधी दावे किए गए हैं। विभाग ने कंपनी से इन दावों के समर्थन में दस्तावेज, अभिनेत्री के साथ विज्ञापन एवं प्रचार के लिए किए गए करार और सहमति पत्र उपलब्ध कराने को कहा है। अभिनेत्री अर्चना पूरण सिंह को भी नोटिस जारी कर विज्ञापन एवं प्रचार से संबंधित करार, सहमति पत्र और उत्पाद के संबंध में किए गए दावों का स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं अमेजन सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, हुबली, कर्नाटक को जारी नोटिस में वेबसाइट पर उत्पाद की जानकारी में कथित अतिशयोक्तिपूर्ण दावों और गलत जानकारियों के संबंध में दस्तावेज सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

फ्रीहोल्ड के नाम पर ठगी से सावधान, नई नीति तक रुकी रहेंगी कार्रवाई

बिचौलियों के झांसे में न आएं, धनराशि मांगने वालों की करें शिकायत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की योजनाओं के अंतर्गत आने वाली पट्टागत संपत्तियों के फ्रीहोल्ड और पुनर्विकास को लेकर संपत्ति धारकों और आवंटियों को सावधान किया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि शासनादेश के अनुसार नई नीति निर्धारित होने तक इन संपत्तियों के फ्रीहोल्ड एवं पुनर्विकास से संबंधित कार्यवाहियां स्थगित हैं। ऐसे में किसी बिचौलिये, दलाल अथवा अनधिकृत व्यक्ति के झांसे में आकर फ्रीहोल्ड कराने के नाम पर धनराशि न दें।

इन योजनाओं पर लागू है व्यवस्था

प्राधिकरण के अनुसार इस व्यवस्था के अंतर्गत कविनगर, राजनगर, नेहरू नगर, पटेल नगर आंशिक, लोहिया नगर, गांधी नगर, शास्त्री नगर आंशिक, नवयुग मार्केट, राजेंद्र नगर आंशिक, सूर्य नगर, चंद्र नगर तथा वृज विहार आंशिक सहित इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की अन्य संबंधित योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से संबंधित उपलब्ध जानकारी प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। संपत्ति धारक वहीं से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और आवश्यकता होने पर प्राधिकरण के अधिकृत कार्यालयीय माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं।

फ्रीहोल्ड के नाम पर पैसे मांगने वालों से रहें सतर्क

जीडीए के संज्ञान में आया है कि कुछ लोग फ्रीहोल्ड कराने अथवा फ्रीहोल्ड की रजिस्ट्री कराने के नाम पर धनराशि लेने और काम कराने का दावा कर सकते हैं। प्राधिकरण ने ऐसे दावों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है। स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में कार्यवाही स्थगित होने के कारण

कोई व्यक्ति धनराशि लेकर फ्रीहोल्ड कराने का दावा करता है तो उस पर विश्वास न करें। प्राधिकरण के नाम या किसी अधिकारी-कर्मचारी के नाम का हवाला देकर धन मांगने वालों से भी सावधान रहें।

नई नीति के बाद ही शुरू होगी कार्रवाई

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने कहा कि इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की संपत्तियों के फ्रीहोल्ड से संबंधित कार्यवाही वर्तमान में शासनादेश के अनुसार स्थगित है। नई नीति निर्धारित होने तक किसी बिचौलिये, सिफारिश अथवा धनराशि के माध्यम से फ्रीहोल्ड कराने का दावा पूरी तरह गलत है। उन्होंने संपत्ति धारकों से अपील की कि वे केवल प्राधिकरण के अधिकृत माध्यमों से ही जानकारी प्राप्त करें और फ्रीहोल्ड के नाम पर किसी अनधिकृत व्यक्ति को धनराशि न दें।

01204418384 पर दें सूचना

यदि कोई व्यक्ति फ्रीहोल्ड कराने के नाम पर धनराशि मांगता अथवा कार्यवाही कराने का आश्वासन देता है तो इसकी सूचना गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की हेल्पलाइन 01204418384 पर दी जा सकती है। प्राधिकरण ने कहा है कि नई नीति या शासनादेश जारी होने के बाद ही फ्रीहोल्ड संबंधी कार्यवाही शुरू होगी और इसकी जानकारी अधिकृत माध्यमों से सार्वजनिक की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि अफवाहों और अनधिकृत दावों पर विश्वास न करें तथा ठगी और अवैध धन-वसूली से स्वयं को सुरक्षित रखें।

गुलदार के खौफ के बीच रात में बिजली कटौती से किसानों का गुस्सा फूटा, एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) की आवश्यक बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक के बाद यूनियन कार्यकर्ताओं ने तहसील अध्यक्ष नमेंद्र चौधरी के नेतृत्व में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के नगीना खंड के उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रात के समय हो रही अघोषित बिजली कटौती तत्काल बंद कराने की मांग की। ज्ञापन में किसान नेताओं ने कहा कि पिछले कई दिनों से नगीना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में रात के समय भारी बिजली कटौती की जा रही है। इससे गांवों में अंधेरा छा जाता है और गुलदारों की बढ़ती गतिविधियों के बीच ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। किसान नेताओं के अनुसार, गुलदार गांवों के आसपास लगातार दिखाई दे रहे हैं। क्षेत्र में गुलदार के हमलों में कई ग्रामीणों की जान जा चुकी है, जबकि अनेक किसानों के मवेशी भी गुलदारों का शिकार हो चुके हैं। किसान नेताओं ने कहा कि बिजनौर पहले से ही गुलदार प्रभावित जिला है। ऐसे में रात के समय बिजली कटौती ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर समस्या बन रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में रात की बिजली कटौती तत्काल बंद नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में कोतवाली ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, बढ़ापुर ब्लॉक अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन सिंह, महासचिव धर्मपाल चौधरी, मुकुल त्यागी, राजीव चौधरी, सर्वेंद्र चौहान, पूरन सिंह, भजन सिंह, सैंपल सिंह, धर्मपाल सिंह, डॉ. देवेंद्र सिंह, राजपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह, प्रधान जगदीश, संजीव कुमार, नागेंद्र सिंह, पदम सिंह और मंगू सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांव-गांव पहुंचा समाजवादी संदेश, 2027 की तैयारी का संकल्प

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सामाजिक न्याय, समानता और सभी वर्गों की भागीदारी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जसाला, मालीपुर, गढ़ी राडा सहित शामली नगर में जन पंचायतों का आयोजन किया गया। पंचायतों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रमों की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने की। मुख्य अतिथि कैराना-शामली प्रभारी एवं प्रदेश सचिव लल्ला गुर्जर तथा विशिष्ट अतिथि शिक्षक विधान परिषद सदस्य प्रभारी धर्मवीर खटाना रहे।

वक्ताओं ने सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, समानता, भागीदारी और जनता के अधिकारों को लेकर पार्टी की नीतियों पर ग्रामीणों से संवाद किया। जसाला में ओमकार सिंह चौहान, मालीपुर में छोटा गुर्जर, गढ़ी राडा में राजेंद्र छौकर तथा शामली नगर में जाहिद अली के संयोजन में पंचायतें आयोजित हुईं। वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान, अधिकार और बराबरी का अवसर देने की पक्षधर है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने का संकल्प लिया गया।

जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने कहा कि जन पंचायतों का उद्देश्य केवल राजनीतिक संवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक वर्ग की आवाज को मजबूत करना और सामाजिक न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाना भी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रियता से जुटने का आह्वान किया। इस दौरान अखिल बंसल, चौधरी शोकेन्द्र आचार्य, चौधरी कलीम हसन, सय्यद मुस्तकीम, विनोद चौहान, महेंद्र सिंह प्रधान, कर्ण सिंह, ईश्वर पाल चौहान, सुखपाल चौहान, यशपाल चौधरी, डॉ. तीर्थ पाल, चौधरी सराफत, मास्टर रूकम, इमरान प्रधान, हाजी आबिद, चौधरी चरण सिंह, चौधरी मुजम्मिल, चौधरी जनाब अली, रामपाल चौहान, रामकुमार चौहान और रिजकराम चौहान मौजूद रहे।

दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में नव-निर्वाचित छात्र परिषद का पदग्रहण समारोह

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में शुक्रवार को नव-निर्वाचित छात्र परिषद का पदग्रहण समारोह गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्रामीण पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र नाथ तिवारी तथा विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर यातायात सहायक पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह, मोदीनगर सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम, पुलिस-पब्लिक समन्वयक वीरेश चंद्र सिंह, गोपी कृष्ण गौर और सुनील गुप्ता उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से राजीव बोबल, राघव मोदी, एन.पी. बंसल, शोभित नेहरा, डी.डी. कौशिक और चावला सर मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य वी.के. राणा ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले बैज केवल पद का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन, नेतृत्व और विद्यालय के प्रति कर्तव्यों को निष्ठा से निभाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।

इसके बाद नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को विभिन्न पदों के बैज प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने पद की शपथ लेकर विद्यालय की प्रतिष्ठा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि सुरेंद्र नाथ तिवारी ने विद्यार्थियों के अनुशासन, आत्मविश्वास और कार्यक्रम के गरिमापूर्ण संचालन की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने जिस शालीनता और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाई, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी और निरंतर परिश्रम को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम में नेतृत्व, आत्मविश्वास, उत्तरदायित्व और सामूहिक भावना का संदेश दिया गया। अंत में विद्यालय परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लिखित आश्वासन पर अड़े किसान, पांचवें दिन भी धरना जारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। हाईवे पर यू-टर्न कट और प्रकाश व्यवस्था की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) तथा ग्रामीणों का धरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच दिल्ली से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उप मंडलीय अधिकारी आशीष शर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और किसान नेताओं तथा ग्रामीणों से वार्ता की। अधिकारियों ने हाईवे पर प्रकाश व्यवस्था कराने और यू-टर्न बनवाने का मौखिक आश्वासन दिया। हालांकि, किसान नेता और ग्रामीण केवल मौखिक आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक विभाग की ओर से उनकी मांगों को पूरा कराने का लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। किसानों ने कहा कि वे अब केवल बातचीत के भरोसे आंदोलन समाप्त करने के पक्ष में नहीं हैं। किसानों के रुख को देखते हुए हाईवे अधिकारियों ने लिखित प्रस्ताव तैयार कराने के लिए एक दिन का अतिरिक्त समय मांगा। किसानों ने अधिकारियों को समय देते हुए स्पष्ट किया कि लिखित दस्तावेज मिलने के बाद ही धरना समाप्त करने अथवा आगे जारी रखने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। धरने पर मुख्य रूप से चौधरी बलराम सिंह, कुलबीर सिंह, अरविंद राजपूत, भोपाल राठी, नवीन राजपूत, हिमांशु चौधरी, हितेश, गजेंद्र सिंह, शुभम, धेर सिंह, मुनेन्द्र सिंह और श्याम सुंदर राठी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सामुदायिक केंद्रों का होगा कायाकल्प, शादी समारोह के लिए मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

28 सामुदायिक केंद्रों का निरीक्षण कर नगर आयुक्त ने दिए मरम्मत, प्रकाश और पेयजल व्यवस्था सुधारने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम ने शहर के सामुदायिक केंद्रों को सुंदर, व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में अभियान शुरू किया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों के साथ पांचों जोन में स्थित 28 सामुदायिक केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सामुदायिक केंद्रों में आवश्यकतानुसार मरम्मत, प्रकाश, पेयजल और शौचालय की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सामुदायिक भवनों में देखरेख के लिए कर्मचारी की व्यवस्था करने को भी कहा।

मुख्य प्रवेश द्वार को बनाया जाएगा आकर्षक

निरीक्षण के दौरान मेन श्याम पार्क, लाजपत नगर रामलीला मैदान के पास, पुराना विजयनगर, संजय नगर ई ब्लॉक, गुलधर, इस्लाम नगर और सूर्य नगर ए ब्लॉक सहित अन्य सामुदायिक केंद्रों की स्थिति देखी गई। नगर आयुक्त ने भवनों के मुख्य प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाने, प्रकाश व्यवस्था बढ़ाने, शौचालयों को दुरुस्त करने तथा खुले स्थानों में आवश्यकता के अनुसार इंटरलॉकिंग टाइल लगाने और रंगाई-पुताई कराने के निर्देश दिए।

करीब 10 करोड़ रुपये से होगा जीर्णोद्धार

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि अभिभावकों को बहन-बेटियों की शादी और अन्य समारोह के आयोजन को लेकर चिंता रहती है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर में ऐसे सुंदर और व्यवस्थित सामुदायिक केंद्र उपलब्ध हों, जहां हर वर्ग के लोग अपने पारिवारिक आयोजन आसानी से कर सकें। जो सामुदायिक भवन अत्यधिक जर्जर हैं, उनके सुधार के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वार्ड संख्या 11, 65, 38, 49, 56 और 60 सहित अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कराए जाएंगे।

पांचों जोन में होंगे विकास कार्य

नगर निगम के अनुसार वार्ड संख्या छह सिटी जोन और वार्ड संख्या सात विजयनगर जोन के सामुदायिक भवनों को नया स्वरूप देने के लिए करीब पांच करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जा चुकी है। कुल मिलाकर करीब 10 करोड़ रुपये से सामुदायिक भवनों के जीर्णोद्धार की योजना है। निर्माण, जलकल, प्रकाश और उद्यान विभाग की टीमें संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी सहित संबंधित जोनल प्रभारी और अधिकारी मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ समाज को मजबूती से खड़ा होना होगा : विवेक प्रेमी

शामली (शिखर समाचार)। भाजपा नेता विवेक प्रेमी ने शनिवार को गांव जगनपुर और कंडेला स्थित नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों में उपचार करा रहे युवाओं से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया और नशे की लत से बाहर निकलकर सामान्य जीवन की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों की व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रिया और युवाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। विवेक प्रेमी ने कहा कि नशा देश के युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। समय रहते इस गंभीर समस्या पर प्रभावी ढंग से ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में नशा युवाओं के भविष्य के साथ-साथ राष्ट्र के सामने भी बड़ी चुनौती बन सकता है। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त से बाहर निकलना कठिन जरूर है, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति, परिवार के सहयोग और सही मार्गदर्शन से इससे छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से जूझ रहे युवाओं को समाज से तिरस्कार नहीं, बल्कि सहयोग और अपनापन मिलना चाहिए। सरकार नशे की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चला रही है, लेकिन जब तक समाज स्वयं नशे के खिलाफ मजबूती से खड़ा नहीं होगा, तब तक इन प्रयासों का अपेक्षित परिणाम हासिल करना कठिन रहेगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की अपील की। इस दौरान दीपक चौहान, शुभम स्वामी, विपिन जाटव, बंटी कत्याल और साहिल गुर्जर आदि मौजूद रहे।

बकरे को सांप ने डसा तो सीएचसी पहुंचा मालिक, डॉक्टरों से बोला- पहले इसका इलाज करो

शामली (शिखर समाचार)। सांप के डसने से हालत बिगड़ी तो बकरे का मालिक उसे लेकर सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गया। इतना ही नहीं, युवक बकरे को लेकर चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष तक पहुंच गया और चिकित्सकों से पहले उसके उपचार की गुहार लगाने लगा। युवक का कहना था कि बकरे को सांप ने डसा है, इसलिए उसे तुरंत विषरोधी टीका लगाया जाए। बकरे को लेकर अस्पताल पहुंचे युवक को देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। सलेक विहार निवासी उजेफा पुत्र यूनुस के अनुसार शुक्रवार को टपराना पार्किंग में उसके बकरे को सांप ने डस लिया। बकरे की हालत बिगड़ने पर वह उसे जिला पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचा। आरोप है कि वहां विषरोधी दवा उपलब्ध न होने की बात कहकर कर्मचारियों ने उसे शामली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। युवक को बताया गया कि सांप के डसने की वैक्सीन वहां मिल जाएगी।(इसके बाद उजेफा बकरे को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गया और चिकित्सा अधीक्षक डा. दीपक चौधरी से उपचार की गुहार लगाने लगा। चिकित्सकों ने उसे समझाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में केवल मनुष्यों का उपचार किया जाता है और पशुओं का इलाज संभव नहीं है। उसे बकरे को दोबारा पशु चिकित्सालय ले जाने की सलाह दी गई। इस पर युवक नाराज हो गया और उसने अस्पताल में हंगामा भी किया। बकरे के इलाज को लेकर युवक की जिद और उसे लेकर अस्पताल पहुंचने का मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

डाइट परिसर में पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन, शिक्षकों को मिले प्रमाण-पत्र

हापुड़ (शिखर समाचार)। डाइट परिसर में विभिन्न विकासखंडों के शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय एफएलएन यानी मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रशिक्षण का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण में जिले के सभी विकासखंडों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान शिक्षकों को बच्चों में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान विकसित करने से जुड़ी महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रभावी शिक्षण तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने, बच्चों की सीखने की क्षमता को समझने तथा उन्हें निपुण बनाने की दिशा में अपनाई जाने वाली गतिविधियों और तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों से प्रशिक्षण में मिली जानकारी का उपयोग कक्षाओं में व्यवहारिक रूप से करने का आह्वान किया, जिससे विद्यार्थियों की बुनियादी शैक्षणिक दक्षताओं को मजबूत किया जा सके। समापन अवसर पर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस मौके पर एसआरजी सोहनवीर, बीसी निपुण निखिल रावत सहित प्रशिक्षण से जुड़े अधिकारी और प्रशिक्षक मौजूद रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की दक्षताओं को मजबूत करना है, ताकि कक्षाओं में प्रभावी शिक्षण-अधिगम को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि बच्चों को निपुण बनाने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण और उनकी शैक्षणिक क्षमता का निरंतर विकास बेहद महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए आवश्यक तकनीकों और गतिविधियों से जोड़ा गया है।

जिलाधिकारी ने निर्वाचन संबंधी अपीलों की सुनवाई की

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कविता मीना ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में निर्वाचन से संबंधित प्राप्त अपीलों की सुनवाई की। इस दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करने, नाम विलोपित करने तथा मतदाता विवरण में संशोधन से संबंधित मामलों को सुना गया। जिलाधिकारी ने अपील से जुड़े दोनों पक्षों को सुनने के बाद संबंधित मामलों का नियमानुसार निस्तारण कराया। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी अपीलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं रहनी चाहिए। पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने, अपात्र नामों को नियमानुसार हटाने तथा आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया को निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अपीलों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध एवं अद्यतन बनाते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखना है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कम उम्र में हार्ट अटैक के जोखिम पर मंथन

लखनऊ , एजेंसी। कम उम्र में हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। तंबाकू, मोटापा, तनाव, व्यायाम की कमी, फास्ट फूड के साथ बीपी, डायबिटीज और बढ़ा कोलेस्ट्रॉल इसका खतरा बढ़ा रहे हैं। पीजीआई में बृहस्पतिवार को केजीएमयू के पूर्व छात्र और अमेरिका में रह रहे फिजिशियन व फिल्म निर्माता डॉ. निर्मल जोशी और डॉ. रेनू जोशी की डॉक्यूमेंट्री द ब्राउन हार्ट की स्क्रीनिंग हुई।

करीब 45 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में दक्षिण एशियाई लोगों में कम उम्र में हार्ट अटैक के कारणों और जोखिमों को बताया गया। स्क्रीनिंग के बाद विशेषज्ञों ने शुरुआती लक्षण, जांच और बचाव से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

पीजीआई के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. आदित्य कपूर ने बीपी, ब्लड ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल, वजन और कमर के घेरे की नियमित जांच की सलाह दी। डॉ. रूपाली खन्ना ने महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण समय पर पहचानने पर जोर दिया। निदेशक डॉ. आरके धीमन ने व्यायाम, खानपान और तनाव पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि 2022 में दुनियाभर में करीब 1.98 करोड़ मौतें हृदय संबंधी बीमारियों से हुईं।

फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 25 हजार रुपये समेत बैग लूटा

बरेली , एजेंसी। केरा-सोरहा मार्ग पर बृहस्पतिवार रात फाइनेंस कंपनी के सेल्स कलेक्शन कर्मचारी विजयपाल को लूट लिया गया। उन्होंने पुलिस को बताया कि एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने तमंचे दिखाकर उनका बैग छीन लिया। बैग में 25 हजार रुपये नकदी, दो मोबाइल फोन और एक टैबलेट था। इसके अतिरिक्त, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस आदि दस्तावेज भी थे। विजयपाल धौराटांडा से घर लौट रहे थे। लघुशंका के लिए स्कूटी रोकने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। सीओ मीरगंज अजय कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। देर रात तक बदमाशों का सुराग नहीं लगा सका है। मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जरपा मोहनपुर गांव की सड़क के लिए एक करोड़ 49 लाख रुपये स्वीकृत

बरेली , एजेंसी। जरपा मोहनपुर गांव तक जाने वाली बदहाल सड़क के निर्माण के लिए एक करोड़ 49 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। ग्रामीण लंबे समय से पक्की सड़क की मांग कर रहे थे। बरसात में गड्ढों और जलभराव से आवागमन में बड़ी परेशानी होती थी। सड़क निर्माण न होने से नाराज ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार भी किया था। इस बहिष्कार के बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर गया। जमीन संबंधी अड़चनें भी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से दूर हुईं। विधायक डॉ. एमपी आर्य ने बताया कि बारिश के बाद सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाएगा। एसडीएम सचिन कुमार ने बताया कि सड़क को कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। बारिश का समय है। अभी निर्माण संभव नहीं है। बारिश के बाद सड़क का निर्माण कराया जाएगा। सड़क के लिए धनराशि स्वीकृत हो चुकी है।

जांच के घेरे में सौ से ज्यादा दिव्यांग प्रमाणपत्र, दिल्ली पुलिस को सौंपे

बरेली , एजेंसी। फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र मामले में आउटसोर्सिंग कर्मचारी कुलदीप की भूमिका सामने आने के बाद अब उसके जरिए जारी करीब सौ से ज्यादा दिव्यांग प्रमाणपत्र जांच के घेरे में आ गए। सीएमओ कार्यालय ने दिल्ली पुलिस को तीन बंडल में प्रमाणपत्र संबंधित अभिलेख सौंपे हैं।

इनमें दिव्यांगों के आवेदनपत्र, पहचानपत्र, आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज शामिल हैं। सभी रिकॉर्ड जांच में शामिल कर लिए गए हैं। नोडल डॉ. राकेश ने बताया कि जो अभिलेख मांगे थे वह दे दिए गए हैं। दूसरी ओर, कुलदीप की कार्यप्रणाली की पड़ताल में पता चला कि वह सीएमओ कार्यालय के दिव्यांग शिविर के अलावा तहसील दिवस में जाता था। दिव्यांगता आवेदन पत्र की जांच, फाइल को चिकित्सक के पास परीक्षण के लिए पहुंचाने में शामिल था। लिहाजा, तैनाती के दौरान बने प्रमाणपत्र में उसकी भूमिका का पता लगाया जा रहा है। इसके लिए प्रमाणपत्रों में लगाए गए दस्तावेज और चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया का भी मिलान कराया जाएगा।

सांप, चिड़िया जैसे सभी जानवरों का मैप पर मिलेगा पता; गूगल डॉक जारी

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू और आईआईटी बीएचयू को जैव विविधता परिसर का दर्जा दिलाने के लिए पक्षी और वन्यजीव सर्वेक्षण शुरू किया गया। सांप, चिड़िया समेत परिसर में दिखाई देने वाले उभयचर, सरीसृप, पक्षी और स्तनधारी जीवों का डॉक्यूमेंट तैयार होगा। इनका पता गूगल मैप पर भी मिलेगा।

इनके वैज्ञानिक नाम से लेकर आवास की जानकारियां मिलेंगी। अगले एक साल यानी 30 सितंबर 2027 तक सर्वे कर आंकड़े जुटाए जाएंगे। बीएचयू परिसर में मौजूद पक्षियों और वन्यजीवों की विविधता के साथ उनके वितरण का दस्तावेज तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय की हॉर्टिकल्चर यूनिट की ओर से ये सर्वे किया जाएगा। पूरे 1300 एकड़ परिसर में दिखाई देने वाले वन्यजीवों की तस्वीरें और उनसे जुड़ी जानकारियां सहेजी जाएंगी।

सर्वे में बीएचयू के विद्यार्थी, शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, परिसर में रहने वाले लोगों के साथ ही विश्वविद्यालय समुदाय के कई सदस्य भाग ले सकते हैं। चयन होने पर फोटोग्राफर का नाम 'बीएचयू बायोडायवर्सिटी बुक' में शामिल किया जाएगा। इसके लिए हॉर्टिकल्चर यूनिट की ओर से गूगल फॉर्म जारी किया गया है। जीवों की तस्वीरें यहां अपलोड की जा सकती हैं।

गूगल मैप पर देना होगा स्क्रीन शॉट– हर वन्यजीव के पड़ताल की जानकारी अलग-अलग जमा करनी होगी। प्रतिभागियों को जीव का सामान्य नाम, वैज्ञानिक नाम, तस्वीर लेने की तारीख और समय, स्थान और गूगल मैप पर उस स्थान का स्क्रीनशॉट अपलोड करना होगा।

फोटो चयनित होने पर मिलेगा प्रमाणपत्र

मान्य प्रविष्टियों यानी फोटो चयनित होने पर प्रतिभागी को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। हर एक श्रेणी में चयनित सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों के लिए नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। चयनित तस्वीरों को फोटोग्राफर के नाम के साथ प्रस्तावित 'बीएचयू बायोडायवर्सिटी बुक' में शामिल किया जाएगा।

एआई या इंटरनेट फोटो होगी अस्वीकृत

हॉर्टिकल्चर यूनिट की ओर से निर्देश दिया गया है कि प्रतिभागी स्पष्ट और मूल तस्वीरें ही अपलोड करें। तस्वीरें स्वयं से ही बीएचयू परिसर में खींची गई हो। एआई, इंटरनेट, सोशल मीडिया, किताब या अन्य स्रोत से प्राप्त तस्वीरें स्वीकार नहीं की जाएंगी। वन्यजीवों की तस्वीर लेते समय उन्हें पकड़ने, खिलाने, पीछा करने या किसी अन्य तरह से परेशान करने से बचने की अपील की गई है।

बाढ़ में 10 हजार एकड़ फसल डूबी, 20 गांवों के सात हजार लोग प्रभावित, स्कूल बंद

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से इटौंजा, बख्शी का तालाब और माल क्षेत्र के 20 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इससे करीब सात हजार लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ और जलभराव से 10 हजार एकड़ में धान और सब्जियों की फसल बर्बाद होने का दावा किया गया है। पशुओं के चारे की व्यवस्था करना भी ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो गया है। बाढ़ प्रभावित गांवों में सुल्तानपुर, बहादुरपुर, हीरापुरवा, लासा, अकड़रिया खुर्द, अकड़रिया कला, दुघरा, राजापुर, करौंदी, मलूकपुर, जमखनवा, जमखनवा पुरवा, मल्लाहन खेड़ा, कठवारा, बदैयां, टिकरी और बहरौरा शामिल हैं। खेतों में धान के अलावा भिंडी, तोरई, लौकी, कद्दू, बैंगन, खीरा और मिर्च की फसलें भी पानी में डूब गई हैं। अकड़रिया गांव का प्राथमिक विद्यालय बंद करना पड़ा है। जलमग्न रास्तों से आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। किसानों ने मांगा मुआवजाः किसान धर्मेंद्र कुमार कश्यप ने बताया कि दो बीघा धान और तीन बीघा उड़द की फसल डूब गई। देवी दयाल की करीब साढ़े पांच बीघा धान की फसल भी बर्बाद हो गई। किसानों का कहना है कि हर साल फसल बर्बाद होने पर मुआवजे का आश्वासन मिलता है लेकिन भुगतान नहीं होता। उन्होंने फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

मानसिक संकट के संकेत पहचानें, खुलकर करें बातचीत

गोरखपुर, एजेंसी। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक परेशानियों के प्रति जागरूक किया गया। विश्वविद्यालय में 'आत्महत्या पर बदलता नजरिया : बातचीत की शुरुआत' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें विद्यार्थियों को तनाव, भावनात्मक संकट के संकेत पहचानने और समय रहते मदद लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मनोचिकित्सक डॉ. शांतनुप्रकाश अग्रवाल ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और भावनात्मक संकट के शुरुआती संकेतों को पहचानने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मानसिक परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते विशेषज्ञ की सहायता लेनी चाहिए। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. नितेश मिश्रा ने शैक्षणिक दबाव, व्यक्तिगत चुनौतियों और भावनात्मक कठिनाइयों से सकारात्मक ढंग से निपटने के उपाय बताए।

कार्यक्रम में जागरूकता आधारित वृत्तचित्र भी दिखाया गया। विद्यार्थियों को समझाया गया कि संकट में घिरे व्यक्ति की बात बिना निर्णय और दोषारोपण के सुनी जाए तथा जरूरत पड़ने पर परिवार, मित्रों, शिक्षकों और विशेषज्ञों से सहायता ली जाए। विशेषज्ञों ने कहा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि जागरूकता और साहस का प्रतीक है। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग और भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर नारायण सिंह ने अध्यक्षता की। संयोजक डॉ. मिलिंद राज आनंद रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी शामिल हुए।

विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उनकी शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। तनाव या भावनात्मक परेशानी को छिपाने के बजाय उसके बारे में बात करना जरूरी है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए ऐसा सहयोगी वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां वे अपनी समस्याएं बिना संकोच साझा कर सकें।

–प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा,
कुलपति, एमएमएमयूटी

नशे के सौदागरों पर सहारनपुर पुलिस का करारा प्रहार, 1.05 करोड़ की स्मैक बरामद

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सवेरा–नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर के तहत सहारनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। चिलकाना और नकुड़ थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से कुल 527 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है। पुलिस ने बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ पांच लाख 40 हजार रुपये बताई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 10 सितंबर को चिलकाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान चिलकाना-सहारनपुर मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास तालाब से फरमान पुत्र अफजाल निवासी मोहल्ला मजहर हसन, चिलकाना को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके कब्जे से 267 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 53 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। वहीं 9 सितंबर को नकुड़ पुलिस ने गंगोह रोड पर ग्राम चढ़ाव के आम के बाग के पास से अमजद पुत्र राशिद निवासी ग्राम घाटमपुर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 260 ग्राम स्मैक और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 52 लाख रुपये है।

पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। फरमान के खिलाफ मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा, गैंगस्टर अधिनियम, गोवध निवारण अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। अमजद के खिलाफ सहारनपुर, शामली और हरियाणा में एनडीपीएस अधिनियम और शस्त्र अधिनियम सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर स्मैक की आपूर्ति से जुड़े आगे और पीछे के संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नशीला पदार्थ कहां से आता था और किन लोगों तक पहुंचाया जाता था। अधिकारियों ने कहा कि नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

दिसंबर बाद बकाया गृहकर पर ब्याज नहीं माफ कर पाएगा नगर निगम

लखनऊ, एजेंसी। नगर निगम दिसंबर के बाद बकाया गृहकर पर ब्याज नहीं माफ करेगा। अभी करीब ढाई लाख बकायेदारों का 223 करोड़ रुपये ब्याज माफ किया जा रहा है। 15 दिसंबर को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) समाप्त होने के बाद नगर निगम में ब्याज माफी पर रोक लग जाएगी। फिर ब्याज तभी माफ होगा जब शासन आदेश करेगा। इसका कारण है कि नगर निगम अधिनियम में ब्याज माफी की व्यवस्था नहीं है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय राय का कहना है कि पूरे प्रदेश के किसी नगर निगम में बकाया गृहकर पर ब्याज माफ करने की व्यवस्था नहीं है। अभी उनका ब्याज माफ किया जाता है जिनका गृहकर संशोधित होता है या पहली बार इसका निर्धारण होता है। ऐसे में गलत निर्धारण पर संशोधन तो होगा पर बकाये पर ब्याज लगेगा। ओटीएस में आ रहे भवनस्वामियों पर ब्याज सहित करीब 650 करोड़ रुपये गृहकर बकाया है। इसमें से करीब 223 करोड़ रुपये ब्याज है।

अभी नगर निगम के टैक्स इंस्पेक्टर अपने फायदे के लिए गृहकर को कम-ज्यादा करते हैं तो उसकी जानकारी नगर निगम तक ही सीमित रहती है। हालांकि, अब ऐसा नहीं हो पाएगा। शासन के आदेश पर गृहकर का पूरा डाटा सॉफ्टवेयर ई नगर सेवा पर भी शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में कोई बदलाव होगा तो शासन के अधिकारी भी इसे देख सकेंगे।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय राय ने बताया कि अब पूरे प्रदेश में गृहकर का एक सॉफ्टवेयर ई नगर सेवा होगा। इसके जरिये गृहकर निर्धारण और नामांतरण का काम होगा।

पीएनजी कनेक्शन के लिए अक्तूबर से शुरू होगा पोर्टल

अलीगढ़ , एजेंसी। किफायती पाइपलाइन गैस (पीएनजी) का कनेक्शन लेने की प्रक्रिया अक्तूबर महीने से पूरी तरह ऑनलाइन हो जाएगी। इसके लिए विशेष पोर्टल लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के जरिये शहर के प्रमुख इलाकों में रहने वाले लोग घर बैठे ही पीएनजी कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

इंडियन ऑयल अदाणी गैस के एरिया सेल्स मैनेजर आलोक कुमार गिरि के अनुसार, शहर के लगभग 10 प्रमुख क्षेत्रों में पीएनजी की मुख्य पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है। इनमें इंजीनियर कॉलोनी, ओजोन सिटी, सांगवान सिटी, स्वर्ण जयंती नगर, स्थानीय अपार्टमेंट और कयामपुर समेत कई अन्य रिहायशी इलाके शामिल हैं।

अब तक 2100 कनेक्शन जारी– कंपनी की ओर से अब तक शहर में कुल 2100 पीएनजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं। वर्तमान में बिछाई जा चुकी लाइनों के माध्यम से 3500 और नए कनेक्शन दिए जाने की योजना है। पोर्टल शुरू होने के बाद इन क्षेत्रों के निवासी आसानी से आवेदन कर सकेंगे।

सिलिंडर वापसी की प्रक्रिया भी जारी– पीएनजी नेटवर्क के विस्तार के साथ ही इन इलाकों में एलपीजी गैस सिलिंडर वापस लेने की प्रक्रिया भी चल रही है। यहां पाइपलाइन से आपूर्ति शुरू हो चुकी है।

सिविल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू

लखनऊ, एजेंसी। सिविल अस्पताल में बृहस्पतिवार से सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं शुरू हो गईं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और कार्डियोलॉजी की सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी, स्ट्रोक यूनिट, न्यूरो सर्जरी वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ किया। लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के साथ हुए समझौते के तहत अब संस्थान के विशेषज्ञ सिविल के मरीजों को परामर्श और उपचार देंगे। अस्पताल निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि तीनों सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी सप्ताह में एक-एक दिन चलेंगी। ब्रजेश पाठक ने कहा कि इस व्यवस्था का विस्तार प्रदेश के अन्य सरकारी अस्पतालों तक होगा। मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों के बीच समझौते कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं जिला स्तर तक पहुंचाई जाएंगी। इससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बार-बार केजीएमयू, लोहिया संस्थान और एसजीपीजीआई जैसे संस्थान नहीं आना पड़ेगा। वहीं, इन संस्थानों पर भी दबाव कम होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 70 वर्ष की आयु वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को पुनर्नियुक्ति से सरकारी अस्पतालों में सेवा देने का अवसर दिया जाएगा।

स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की जरूरत नहीं

उपमुख्यमंत्री ने कहा, स्वाइन फ्लू को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। उन्होंने मास्क लगाने और प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी। साथ ही बुखार या फ्लू जैसे लक्षण होने पर नजदीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श लेने की अपील की।

जीवाश्मों का अतीत बताएगा जलवायु का भविष्य

लखनऊ , एजेंसी। करोड़ों साल पुराने जीवाश्म अब सिर्फ धरती के बीते इतिहास के पन्ने नहीं खोल रहे, बल्कि बदलती जलवायु के भविष्य को समझने का रास्ता भी दिखा रहे हैं। पुराने पौधों, जीवाश्मों, चट्टानों और प्राकृतिक अवशेषों में दर्ज पर्यावरणीय संकेत वैज्ञानिकों को बताते हैं कि हजारों-लाखों साल पहले मौसम, मानसून और समुद्र का स्तर किस तरह बदला था। इन्हीं बदलावों को समझकर वर्तमान जलवायु परिवर्तन के असर को जानने की कोशिश हो रही है।

राजधानी स्थित बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) अपने 80 साल के शोध सफर में धरती के अतीत को पढ़ते हुए वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को समझने में जुटा है। बृहस्पतिवार को संस्थान के 80वें स्थापना दिवस पर वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ शोध को नई तकनीक से जोड़ने की योजनाओं की जानकारी दी गई।

पुराने जीवाश्मों में छिपे हैं मौसम के संकेत– बीएसआईपी के निदेशक प्रो. महेश जी. ठक्कर ने बताया कि पुराने पौधों, जीवाश्मों, चट्टानों और प्राकृतिक अवशेषों में उस दौर के पर्यावरण की महत्वपूर्ण जानकारी छिपी है। इनके अध्ययन से हजारों-लाखों साल पहले जलवायु और मानसून में हुए बदलावों, समुद्र के स्तर में परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के स्वरूप का पता चलता है। यही अध्ययन आज हो रहे जलवायु परिवर्तन को समझने में भी मदद कर रहा है।

एआई से जुड़ेगा जीवाश्मों का अतीत– 80वें स्थापना दिवस पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. उमेश वी. वाघमारे ने बीएसआईपी में मिशन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यहां एआई और मशीन लर्निंग की मदद से देश की जीवाश्म विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। अलग-अलग स्थानों से मिले जीवाश्मों की जानकारी एक जगह सुरक्षित होने से वैज्ञानिक बड़े स्तर पर उनका अध्ययन कर सकेंगे। प्रो. वाघमारे ने बताया कि बीएसआईपी का शोध अब जीवाश्म और पुराने पौधों तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, जैव विविधता, प्राकृतिक आपदाओं, भू-विरासत और खगोल जीव विज्ञान जैसे विषयों पर भी काम हो रहा है। उन्होंने वर्ष 2027 में लखनऊ में होने वाली 'ढ्हक्क कांग्रेस' की मेजबानी मिलने पर संस्थान को बधाई दी।

केदारनाथ ने बताया चेतावनी का महत्व– स्थापना दिवस व्याख्यान में आईएमडी के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. आनंद शर्मा ने 2013 की केदारनाथ आपदा का उदाहरण देते हुए कहा कि पहाड़ों में भारी बारिश जैसे खतरों के संकेत समय रहते मिलें और लोगों तक पहुंचें तो जानमाल का नुकसान कम किया जा सकता है।

एप्रोच मार्ग के लिए जमीन का समतलीकरण शुरू

आगरा, एजेंसी। चंबल घाट पर पक्के पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश की सीमा में पुल को जोड़ने के लिए एप्रोच मार्ग बनाने का कार्य भी शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को जेसीबी की मदद से एप्रोच मार्ग के लिए जमीन का समतलीकरण कराया गया। बुधवार को किसानों ने खड़ी बाजरा की फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर एप्रोच मार्ग का कार्य रुकवा दिया था। सूचना पर उपजिलाधिकारी बाह विनोद कुमार मौके पर पहुंचे और किसानों से वार्ता की। किसानों और सेतु निगम के कर्मचारियों के बीच सहमति बनने के बाद निर्माण कार्य दोबारा शुरू हो गया। मध्य प्रदेश की सीमा में एप्रोच मार्ग का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका है। अब उत्तर प्रदेश की ओर जमीन समतलीकरण का काम शुरू होने से एप्रोच मार्ग की प्रक्रिया तेज हो गई है।

ट्रेड शो की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने की बैठक, यातायात और सुरक्षा पर विशेष जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 25 से 29 सितंबर तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो-2026 के चौथे संस्करण की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। इंडिया एक्सपो मार्ट के सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में पुलिस और विभिन्न प्राधिकरणों के अधिकारियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी करने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में यातायात प्रबंधन, विशिष्ट अतिथियों का आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग, आयोजन स्थल तक सुगम पहुंच, साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, दिशा-सूचक पट्टिकाओं और आयोजन के प्रचार-प्रसार से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश, व्यापार और उद्यमिता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है। इसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में

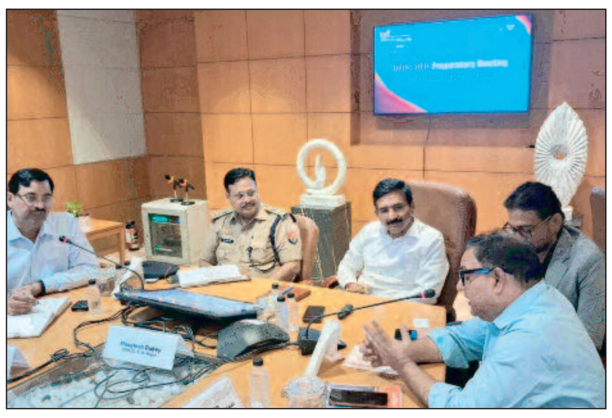

उद्यमियों, निवेशकों, खरीदारों, प्रतिनिधियों और आम लोगों के पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने प्रमुख मार्गों और आयोजन स्थल के आसपास आवश्यक बैरिकेडिंग, मार्ग परिवर्तन तथा दिशा-सूचक बोर्ड समय से लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पर्याप्त पार्किंग, यात्री वाहन सेवा और सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और अन्य आवश्यक प्रबंधों की भी समीक्षा की गई।

आयोजन स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, बिजली, प्रकाश और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध रखने के साथ प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग, फ्लेक्स और एलईडी प्रदर्शन पट्ट लगाने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में पुलिस उपायुक्त रवि शंकर निम, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पाण्डेय, परिवहन निगम के अधिकारी, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णपाल सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात शकील मोहम्मद, इंडिया एक्सपो मार्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप सरकार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दीपक हत्याकांड : हाथ में आत्मसमर्पण की तख्ती लेकर कोतवाली पहुंचे दो आरोपी

हापुड़ (शिखर समाचार)। बदनौली गोलीकांड में दीपक की मौत के मामले में शुक्रवार को उस समय पुलिस के सामने नया घटनाक्रम सामने आया, जब दो आरोपी हाथों में आत्मसमर्पण की तख्ती लेकर नगर कोतवाली पहुंच गए। दोनों आरोपियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हापुड़ के गांव बदनौली में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद गोलीबारी हुई थी। गोली लगने से दीपक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी थी। पुलिस छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

शुक्रवार को गोलीकांड के आरोपी पेरिस चौधरी और भूपेंद्र अचानक हाथों में तख्ती लेकर नगर कोतवाली पहुंचे। तख्ती पर आत्मसमर्पण करने की बात लिखी थी। दोनों को पुलिस ने तत्काल हिरासत में ले लिया। उनके कोतवाली पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल रही। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों से गोलीकांड की वजह, घटना में उनकी भूमिका और पूरे घटनाक्रम के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मृतक के परिजन और ग्रामीण आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

लेखपाल के कथित भ्रष्टाचार के विरोध में वकीलों का हंगामा, तीन दिन में तबादले की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। एक लेखपाल पर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बार एसोसिएशन मोदीनगर के बैनर तले वकीलों ने शुक्रवार को उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर हंगामा किया और धरना देकर नारेबाजी की। वकीलों ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर संबंधित लेखपाल का तबादला नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

वकील एकत्र होकर उप जिलाधिकारी कोमल पवार के कार्यालय पहुंचे और संबंधित लेखपाल के कथित भ्रष्टाचार की शिकायत की। इस पर उप जिलाधिकारी ने लेखपाल को बातचीत के लिए कार्यालय बुलाया। दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल ही रही थी कि वकील वार्ता से उठकर बाहर आ गए और धरने पर बैठ गए। वकीलों का आरोप था कि उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है।

काफी देर तक वकील कार्यालय के बाहर धरना देकर नारेबाजी करते रहे। बाद में उप जिलाधिकारी ने वकीलों को दोबारा वार्ता के लिए कार्यालय बुलाया और उनकी शिकायत सुनी। वकीलों ने आरोप लगाया कि तहसील में कुछ लेखपाल कथित रूप से लोगों से रिश्वत लेते हैं तथा अधिकारियों द्वारा उनका पक्ष लिया जाता है। इस दौरान वकीलों और अधिकारियों के बीच काफी देर तक चर्चा हुई।

बाद में उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। हालांकि वकील अपनी मांग पर कायम रहे। उन्होंने कहा कि संबंधित लेखपाल का तीन दिन के भीतर तबादला नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। वकीलों के प्रदर्शन को लेकर तहसील परिसर में काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने में सभी की भागीदारी जरूरी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान को ऐतिहासिक और यादगार बनाने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और सामाजिक माध्यमों से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अभियान के कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करने तथा सेवा और सहयोग के साथ व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बताया कि अभियान के तहत 12 अध्यायों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दीया', 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा', 'नमो सेवा-अनकही कहानियां', 'आंगन मिलन सेवा', 'सेवा की कहानी', ह्यसेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग', 'सेवा प्रथम नवाचार चुनौती' तथा 'सुशासन सेवा संवाद' शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही पात्र लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई

भी सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित संस्थाओं और सामाजिक माध्यमों से जुड़े लोगों से अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाओं से आदेश धामा, सौम्य सिंह रावत, ममता त्यागी, बीना रंधावा, ज्योति गुप्ता, शालू पांडे, लव यादव, सुषमा गंगवार, संध्या श्रीवास्तव, प्रीतम सैनी, निभा श्रीवास्तव, परमजीत कौर, संजीव हुडा, तनुज गंभीर, जीतेन्द्र बच्चन, काजल छिब्बर, डॉ. शशि श्रीवास्तव, सुजल सक्सेना, रजनी ढौंडियाल जोशी, शैफाली गुप्ता, ज्योति सिंह, तुषार शर्मा, डॉ. नीलम शर्मा, उमेश शर्मा, मयंक चौधरी, मेघ राज अरोड़ा, नरेश कुमार और जगमोहन सिंह रावत सहित सामाजिक माध्यमों से जुड़े वेद प्रकाश शर्मा, शशांक, रूबल कुमार, मोहित गौड़, दिव्यांश कुमार और राज मौजूद रहे। बैठक का संचालन स्वयंसेवी संस्था समन्वयक तनुज गंभीर ने किया।

वाहन चोर गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार, चार चोरी की बाइक बरामद

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चार बाइक बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी चोरी की वारदात से पहले क्षेत्र में रेकी करते थे और मौका देखकर बाइक चोरी कर लेते थे। इसके बाद चोरी किए गए वाहनों को छिपाकर ग्राहक मिलने पर बेचने की तैयारी की जाती

थी। सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश चोरी की बाइक बेचने के लिए कहीं जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दिल्ली-मेरठ मार्ग पर चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को रोककर पूछताछ की। जांच में उनकी पहचान आर्यन निवासी गांव बिसोखर और शादाब निवासी किदवई नगर के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चोरी की गई बाइक सारा रोड स्थित एक स्थान पर छिपाकर रखी गई हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर चोरी की चार बाइक बरामद कर लीं। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उन्होंने अब तक कितनी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है तथा चोरी के वाहनों को किन लोगों को बेचते थे। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हापुड़ में जल्द बनेगा जिला न्यायालय, बजट की कोई कमी नहीं : सुरेश खन्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना शुक्रवार को हापुड़ पहुंचे। उन्होंने कलेक्ट्रेट गंज स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन कर जनकल्याण की कामना की और हनुमान बाबा का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की वित्तीय व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। सरकार जरूरत के अनुसार योजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध करा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने

के साथ विकास कार्यों को भी समय से पूरा कराया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से शासन की योजनाओं को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। हापुड़ में जिला न्यायालय के निर्माण को लेकर पूछे गए सवाल पर वित्त मंत्री ने बताया कि जिला न्यायालय के लिए भूमि पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है। न्यायालय भवन के कुछ निर्माण कार्यों के लिए बजट की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जिला न्यायालय भवन का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। इससे जिले के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के अनुरूप विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यों के लिए सरकार संसाधनों की कमी नहीं होने देगी। सुबह शाहजहांपुर से हापुड़ पहुंचे सुरेश खन्ना बैठक के बाद बुलंदशहर के लिए रवाना हो गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित मामलों के निस्तारण की तैयारी पूरी, 12 सितंबर को होगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने शुक्रवार को दीवानी न्यायालय परिसर में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत शनिवार को सुबह 10 बजे से जनपद मुख्यालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में आयोजित होगी। इसमें विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मोटर दुर्घटना प्रतिकर, वैवाहिक, उत्तराधिकार, दीवानी, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138, ई-चालान, मध्यस्थता, लघु शमनीय, विद्युत अधिनियम और भू-राजस्व से संबंधित मामलों सहित अन्य सुलह योग्य प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा सेवा, पेंशन, श्रम तथा मुकदमा पूर्व स्तर पर बैंक ऋण, विद्युत और बीएसएनएल के दूरभाष बिल से जुड़े मामलों को भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने बताया कि लंबित मामलों और मोटर वाहन चालान से संबंधित जानकारी के लिए 11 और 12 सितंबर को सुबह 10 से शाम पांच बजे तक दूरभाष सेवा संचालित रहेगी। आमजन मोबाइल नंबर 7678643985 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। न्यायालय परिसर में चार सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जहां वादकारी अपने मुकदमों और चालान से संबंधित जानकारी ले सकेंगे।

उन्होंने बताया कि मोटर वाहन चालान के सरल निस्तारण के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा भुगतान सेतु भी उपलब्ध कराया गया है। जनपदवासियों से लोक अदालत और सहायता सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की गई। इस अवसर पर अपर जिला जज सोमप्रभा मिश्रा और प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विरेक अग्रवाल मौजूद रहे।

जेवर में शिविर लगाकर 30 दुकानदारों को खाद्य लाइसेंस और पंजीकरण जारी

जेवर (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी संचालकों को खाद्य कारोबार के लिए आवश्यक लाइसेंस एवं पंजीकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जेवर में शिविर लगाया गया। सहायक आयुक्त सर्वेश कुमार के निर्देश पर राजीव गर्ग के प्रतिष्ठान पर आयोजित शिविर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह ने दुकानदारों और रेहड़ी लगाने वाले कारोबारियों के आवेदन लिए तथा मौके पर ही लाइसेंस एवं पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की। शिविर के दौरान करीब 30 दुकानदारों और खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस एवं पंजीकरण जारी किए गए। विभाग की इस पहल से छोटे खाद्य कारोबारियों को विभागीय प्रक्रिया पूरी करने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह ने कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने और ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की सलाह दी। ओपी सिंह ने बताया कि खाद्य कारोबारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगे भी इसी तरह के शिविर आयोजित कर लाइसेंस एवं पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य कारोबार करने वाले सभी दुकानदारों और रेहड़ी संचालकों को नियमानुसार अपना लाइसेंस अथवा पंजीकरण कराना चाहिए, ताकि कारोबार को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके। शिविर में पवन सिंगला, हिमांशु मंगल, सचिन मंगल, टिंकू बंसल, अभिषेक गर्ग, ऋषिकांत गर्ग सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

सरकारी आश्वासन समिति ने 67 लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश विधानसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति की उपसमिति (2025-26) ने महात्मा विदुर सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित आश्वासनों की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक सदस्य विधानसभा इकबाल महमूद ने की। उन्होंने अधिकारियों से जनता के हित में कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में विधानसभा सदस्य राम खिलाड़ी सिंह यादव, राजेंद्र कुमार, मनोज कुमार प्रजापति, नगीना विधायक मनोज पारस, जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक केके विश्नोई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। समिति के समक्ष जनपद के 17 विभागों से संबंधित 67 आश्वासन प्रस्तुत किए गए।

समिति सदस्यों ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि निरस्त किए गए राशन कार्डों की सूची निरस्तीकरण के कारणों सहित संबंधित राशन की दुकानों के बाहर चस्पा की जाए, ताकि कार्डधारकों को कारण की जानकारी मिल सके और वे आवश्यक कमियां दूर कर सकें। जल जीवन मिशन ग्रामीण के कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए जिलाधिकारी से टीम गठित कर स्थलीय जांच कराने को कहा गया। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत सीटों की स्थिति की जानकारी लेते हुए समिति ने पूछा कि कितनी सीटें आवंटित और कितनी भरी गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 10,500 से अधिक सीटें आवंटित थीं, जिनमें 1,950 से अधिक पर प्रवेश हुए हैं। समिति ने रावली गंगा बैराज पर विशेष तकनीक से निर्मित एक किलोमीटर लंबे तटबंध की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी उपलब्ध कराने के निर्देश सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को दिए।

समिति ने आवास विकास, कारागार, खाद्य एवं रसद, गृह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नगर विकास, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, पंचायती राज, पर्यावरण, बेसिक शिक्षा, भूतत्व एवं खनिज, माध्यमिक शिक्षा, राजस्व, लोक निर्माण, समाज कल्याण, वन तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभागों के आश्वासनों की समीक्षा की।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, संयुक्त मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में निर्माण कार्यों का मंत्री ने किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में शासन के निर्देश पर कराए जा रहे विभिन्न निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ जल्द मिलना चाहिए।

करीब 20 करोड़ रुपये के कार्यों की देखी प्रगति

निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा करीब 814.82 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित भारोत्तोलन हॉल, वॉलीबॉल कोर्ट और बैडमिंटन क्रीड़ा हॉल के जीर्णोद्धार कार्यों की स्थिति

देखी गई। इसके अलावा उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा करीब 1,255.99 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे कृत्रिम दौड़ पथ की प्रगति का भी जायजा लिया गया। मंत्री ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बिजनौर की तृतीय पक्ष गुणवत्ता जांच टीम के साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा की।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाएंगे खिलाड़ी

कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। मुजफ्फरनगर में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आधुनिक खेल सुविधाएं मिलने से खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रशिक्षण के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे स्थानीय खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। स्टेडियम पहुंचने पर उपक्रीड़ा अधिकारी भूपेंद्र सिंह यादव ने मंत्री का पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौड़, अधिशासी अभियंता अनिल कुमार राणा, तृतीय पक्ष गुणवत्ता जांच टीम के सदस्य विकास कुमार व अनुराग, अधिशासी अभियंता संजीव कुमार सिंह, परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार वर्मा सहित संबंधित अधिकारी और समाजसेवी मौजूद रहे।

संपादकीय

ब्रिक्स के मंच पर भारत की कूटनीतिक परीक्षा, पुतिन की दिल्ली यात्रा ने बढ़ाई उम्मीदें

नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस समय केवल एक बहुपक्षीय बैठक नहीं रह गया है, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका का महत्वपूर्ण परीक्षण बन गया है। सम्मेलन की पूर्व संध्या पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी लगभग 40 मिनट की महत्वपूर्ण मुलाकात ने इस आयोजन के महत्व को और बढ़ा दिया है। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर बातचीत हुई है। पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों के कारण समुद्री व्यापार तथा भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर पड़ रहे प्रभावों पर भी चर्चा हुई। भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संभव है।

पुतिन की दिल्ली यात्रा ऐसे समय हुई है जब दुनिया कई मोर्चों पर अस्थिरता से गुजर रही है। यूक्रेन युद्ध का अंत अभी दूर दिखाई देता है, पश्चिम एशिया में तनाव ने ऊर्जा और समुद्री व्यापार की चिंताएं बढ़ा दी हैं तथा अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार विश्व राजनीति को प्रभावित कर रही है। ऐसे वातावरण में ब्रिक्स का विस्तार और उसका बढ़ता प्रभाव महत्वपूर्ण है। अब यह समूह 11 सदस्य देशों का मंच बन चुका है और विश्व की लगभग आधी आबादी तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन उसकी वास्तविक शक्ति केवल सदस्य देशों की संख्या में नहीं, बल्कि इस बात में होगी कि वे अपने मतभेदों के बावजूद साझा हितों पर कितनी ठोस सहमति बना पाते हैं।

भारत के लिए इस सम्मेलन की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि उसे रूस, चीन, ईरान और अन्य उभरती शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए पश्चिमी देशों के साथ अपने रणनीतिक रिश्तों को भी संतुलित रखना है। यह संतुलन किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की वास्तविक परीक्षा है। रूस भारत का पुराना और भरोसेमंद रक्षा साझेदार रहा है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंधों ने पिछले वर्षों में नई दिशा हासिल की है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भारत ने रूसी ऊर्जा खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है। किंतु भविष्य केवल सस्ते तेल की खरीद पर निर्भर नहीं रह सकता। भारत और रूस के बीच व्यापार को अधिक संतुलित, व्यापक और दीर्घकालिक बनाना होगा। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य सामने रखा है। यही कारण है कि पुतिन और मोदी की मुलाकात का रक्षा और ऊर्जा के साथ व्यापार पर केंद्रित होना विशेष महत्व रखता है। भारत की जरूरत अब केवल हथियार खरीदने की नहीं, बल्कि तकनीक, संयुक्त उत्पादन और देश में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की है। रूस के साथ रक्षा सहयोग को नई पीढ़ी की तकनीक, अनुसंधान और सह-उत्पादन से जोड़ना दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। दुर्लभ खनिजों और नई तकनीकों के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं भी सामने आ रही हैं। यदि भारत-रूस संबंध केवल तेल और पारंपरिक रक्षा खरीद तक सीमित रहे तो बदलती अर्थव्यवस्था में उसका विस्तार कठिन होगा। ब्रिक्स के संदर्भ में भारत के सामने चीन का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चीन और भारत के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में तनाव रहा है, लेकिन हाल के समय में दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का दिल्ली आना इस लिहाज से विशेष महत्व रखता है।

~ मौलिक चिंतन ~

दिया-बत्ती की बात सब करते हैं, लेकिन उस तेल का ज़िक्र कोई नहीं करता जिसकी वजह से बत्ती जलती है और अंधेरा छंटता है।

© विनय संकोची

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

सनत जैन

अमेरिका सहित दुनिया के देशों में मोदी मॉडल की गूंज...

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्रॉध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग को लेकर बहुत सारे मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप इन्हीं मुद्दों को अमेरिकी में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए सेव एक्ट के समर्थन में नागरिकता प्रमाण और फोटो आईडी जैसी शर्तों की वकालत अमेरिका में शुरू कर दी है। भारत की एसआईआर और अमेरिका में प्रस्तावित चुनावी नियमों को समान बताना सही नहीं होगा। दोनों देशों की चुनाव व्यवस्था, संघीय ढांचा और मतदाता पंजीकरण प्रणाली अलग है। इसके बाद भी ट्रंप भारत की व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब आते हैं, सबसे दिलचस्प मुद्दे रेवड़ी या चुनाव के पहले मतदाताओं को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में करना। 9 सितंबर 2026 को ट्रंप ने घोषणा की है, यदि रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत बनाए रखती है। तो अमेरिकी वयस्क नागरिकों को 5,000 डॉलर का डिविडेंड दिया जाएगा। इसका संभावित खर्च एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगा। भारत में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कथित तौर पर 15 लाख रुपये चुनाव जीतने पर देने का वादा किया गया था, जिसे बाद में चुनावी जुमला करार दिया गया। चुनाव के पहले भारत में इस तरह की घोषणा पिछले कई चुनाव में देखने को मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इसे फ्री की रेवड़ी कहते थे। चुनाव के ठीक पहले अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यही रास्ता अखत्यार किया है। यहीं से वर्तमान राजनीति के नए समीकरण शुरू होते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को नगद राशि देकर अपने पक्ष में मतदान कराकर चुनाव जीतना। पहले नेता की छवि, राजनीतिक दल की विचारधारा, राष्ट्रवाद, आम जनता के लिए घोषणा पत्र, जिसमें सरकार किस तरह से काम करेगी इसका उल्लेख होता था। विपक्षी पार्टी के खिलाफ प्रचार कर उनकी स्थिति को कमजोर करना चुनाव लड़ने का माध्यम होता था। पिछले एक दशक में सारी दुनिया के देशों में राजनीति की दिशा और दशा बदली है। जो सत्ता में काबिज है वह सत्ता छोड़ना नहीं चाहता है। चीन, अमेरिका, इजराइल एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों के शासक अपना पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था वह तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। क्या यह मोदी मॉडल है? कहना जल्दबाजी होगी। इतना जरूर कहा जा सकता है, जिस तरह भारतीय राजनीति में नेतृत्व की व्यक्तिगत छवि, अधिकारों का केंद्रीकरण, जनसंपर्क, राष्ट्रहित, धार्मिक ध्रुवीकरण, फ्री की रेवड़ी जैसी योजनाएं चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं, वैसी ही प्रवृत्तियां अमेरिकी राजनीति में भी दिखाई दे रही हैं। असली सवाल यह नहीं है, मोदी ट्रंप के गुरु हैं या नहीं। असली सवाल यह है, क्या दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति अब एक-दूसरे देश से चुनाव जीतने की तकनीक सीख रही है? ट्रंप भारत से सबक ले रहे हैं, तो यह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक शक्ति की उपलब्धि मानना होगा। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि निष्पक्ष मतदाता सूची, स्वतंत्र संस्थाओं, पारदर्शी चुनाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिक अधिकारों की रक्षा से होती है। इस दृष्टि से भविष्य में सवाल पूछेगा, पहले भारत व्यवस्था में अमेरिका से प्रेरणा लेता था, अब समय बदला है। अमेरिका जैसा विकसित राष्ट्र भारत से चुनावी राजनीति सीख रहा है? अगर ऐसा है, तो इसे भारत की बड़ी वैश्विक उपलब्धि माना जाएगा। जिस तरह की शासन व्यवस्था विकसित हो रही है उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, पूंजीवादी व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था...

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है।

हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है- लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच

की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ्ढ गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

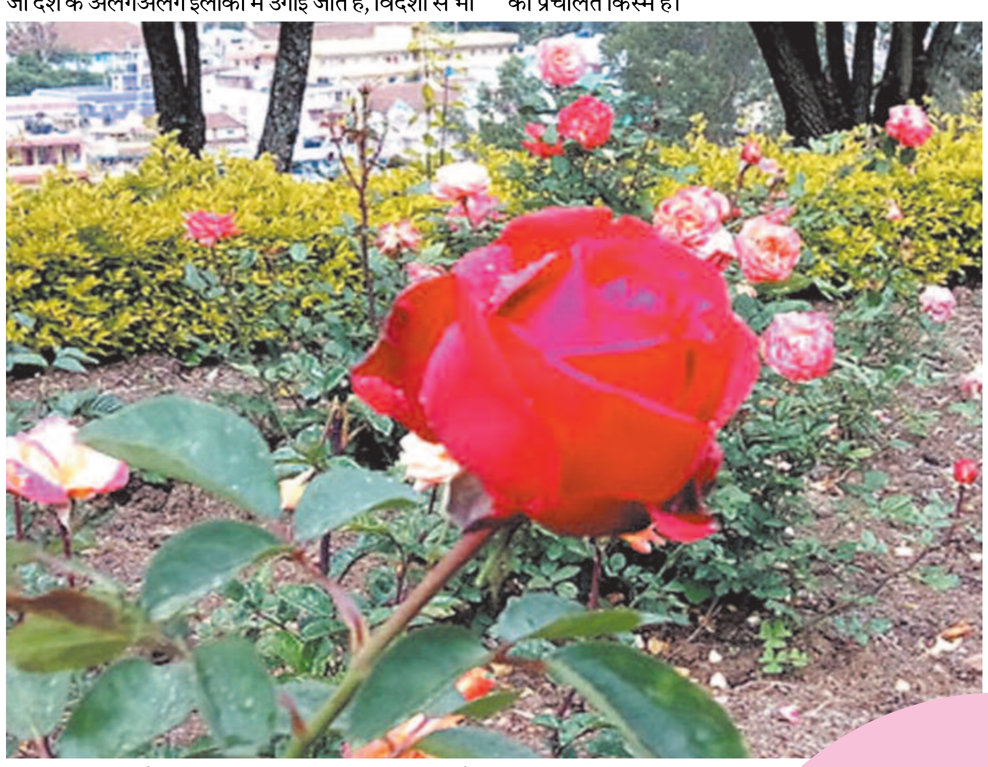

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ~ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे ब़ड़े, ऊँचे व तेजी से ब़ढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर ब़ड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें ब़ड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तीरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ्लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफ्लोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चढ़े भाव

नई दिल्ली, ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल जारी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका के बीच शुक्रवार को ब्रेंट और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में करीब एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। खास बात यह है कि दोनों प्रमुख कच्चे तेल के भाव मई के मध्य के बाद पहली बार किसी हफ्ते का अंत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर करने की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर यानी करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 95 सेंट यानी करीब 1 फीसदी की तेजी के साथ 103.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले गुरुवार को दोनों में 6 फीसदी से ज्यादा की जोरदार तेजी आई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल में तेजी सिर्फ एक-दो कारोबारी सत्र तक सीमित नहीं है। साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चल रहे हैं। यह 17 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी है। तेल में इस उछाल की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष और अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही को लेकर पैदा हुआ खतरा है। हूती लड़ाकों ने गुरुवार को यमन के मोखा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। इससे लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। दूसरी तरफ फारस की खाड़ी में होर्मुज से आवाजाही पहले ही सीमित बनी हुई है और हाल के दिनों में तेल टैंकरों पर हमले बढ़े हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यमन की तरफ से सऊदी अरब की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए हमलों ने संघर्ष का दायरा ईरान और होर्मुज से आगे बढ़ा दिया है। विश्लेषकों को डर है कि अगर तनाव लंबे समय तक चला तो पूरे इलाके से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। ईरान ने कहा है कि उसने बुधवार को होर्मुज के पास 10 जहाजों पर हमला किया, जबकि अमेरिका ने पांच ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि आगे हमला होने पर उसकी जवाबी कार्रवाई और तेज होगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी ईरान के पिकऐक्स माउंटेन को निशाना बनाए जाने की संभावना की चेतावनी दी है। यह जगह ईरान की बुरी तरह क्षतिग्रस्त नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इन बयानों से बाजार में यह चिंता बढ़ रही है कि संघर्ष जल्दी खत्म होने के बजाय लंबा खिंच सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसला

अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो आंकड़ों पर

नई दिल्ली, ।

सोने और चांदी की कीमतों पर फिर दबाव नजर आ रहा है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 66.5 डॉलर के नीचे आ गई। अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो अहम आंकड़ों पर है। इनमें उत्पादक कीमतों से जुड़ा पीपीआई और खुदरा महंगाई से जुड़ा सीपीआई डेटा शामिल है। इन आंकड़ों से संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व 15-16 सितंबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ाएगा या मौजूदा स्तर पर बनाए रखेगा। एक रिसर्च के मुताबिक फिलहाल बाजार में फेड की तरफ से ब्याज दर बढ़ाए जाने की करीब 60 फीसदी संभावना मानी जा रही है। ऐसे में अमेरिका के महंगाई आंकड़े सोने-चांदी की अगली चाल के लिए काफी अहम हो गए हैं। सबसे पहले अमेरिका का उत्पादक मूल्य सूचकांक यानी पीपीआई डेटा आएगा। इसके बाद शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आंकड़े जारी होंगे। बाजार के लिए सीपीआई ज्यादा अहम रहने वाला है और इससे फेड के फैसले को लेकर तस्वीर ज्यादा साफ हो सकती है। अगर महंगाई के आंकड़े अनुमान से मजबूत रहते हैं तो ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद और मजबूत हो सकती है। इससे सोने और चांदी पर दबाव बढ़ सकता है। इसके उलट महंगाई में नरमी दिखाई देती है तो फेड के ब्याज दर नहीं बढ़ाने की उम्मीद बढ़ सकती है, जिससे सोने को सहारा मिल सकता है।

गुरुवार की गिरावट से पहले बुधवार को सोने में करीब एक फीसदी और चांदी में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। इसकी एक बड़ी वजह डॉलर में कमजोरी थी। आम तौर पर डॉलर कमजोर होने से सोने को फायदा मिलता है।हालांकि इस दौरान अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से सोने की तेजी पर दबाव भी बना रहा। अमेरिकी सरकार ने 10 से 20 साल की अवधि वाले 6 अरब डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदने की कार्रवाई की। इसका मकसद लंबी अवधि में सरकार के लिए कर्ज जुटाने की लागत पर दबाव कम करना था। इसके बावजूद अमेरिका के 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.85 फीसदी पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 120, निफ्टी 79 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। हालांकि, दिनभर के कारोबार में यह अपने निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल रहा। आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों से मिले समर्थन ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 120.83 अंक फिसलकर 74,781.76 पर बंद हुआ1 वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 79.70 अंक टूटकर र 23,398.10 पर आ गया। आज सुबह दिन के शुरुआत में, सेंसेक्स 593.42 अंकों की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 207 अंक फिसलकर 23,270.30 पर खुला और इंट्रा-डे में 23,231.40 के निचले स्तर तक चला गया था।

वहीं व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल

एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी जैसे सेक्टरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

अगस्त में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश आया

-सोने की मांग अमेरिका-यूरोप तक सीमित नहीं, एशिया के निवेशकों की भी दिलचस्पी बढ़ी

नई दिल्ली, ।

सोने में निवेश को लेकर निवेशकों का रुझान फिर बढ़ा है। अगस्त 2026 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश किया गया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक इनफ्लो है। सोने की मांग सिर्फ अमेरिका और यूरोप तक सीमित नहीं रही, बल्कि एशिया में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक अगस्त में एशियाई गोल्ड ईटीएफ में करीब 2.04 अरब डॉलर का निवेश आया। फरवरी के बाद यह एशिया में सबसे मजबूत मासिक इनफ्लो है। वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में आए निवेश का बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका और यूरोप में लिस्टेड फंडों ने किया।रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में दुनियाभर के गोल्ड ईटीएफ की कुल होल्डिंग करीब 121 टन बढ़कर 4,189 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं इन फंडों की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 16 फीसदी बढ़कर करीब 615 अरब डॉलर हो गई। क्षेत्रवार देखें तो अगस्त में उत्तरी अमेरिका के फंडों में 7.70 अरब डॉलर और यूरोप के फंडों में 7.88 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एशियाई बाजारों में चीन गोल्ड ईटीएफ निवेश के मामले में सबसे आगे रहा। अगस्त में चीन के गोल्ड ईटीएफ में करीब 1.54 अरब डॉलर का निवेश हुआ। इससे वहां की कुल होल्डिंग 10.7 टन बढ़कर 292.7 टन हो गई। शेयर बाजार की धीमी चाल और सरकारी बॉन्ड पर कम ब्याज मिलने की वजह से चीन के लोग सोने में पैसे लगा रहे हैं। जापान में अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में करीब 17.44 करोड़ डॉलर का निवेश आया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- भारत का सहयोग मंत्र, टकराव नहीं!

नई दिल्ली में शुरू हो रहे सम्मेलन में भारत साझा मुद्रा विवाद से दूर रहेगा

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार से शुरू हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत इस 11-सदस्यीय समूह को एक ऐसे मंच के तौर पर प्रस्तुत करेगा जो वैश्विक विकास और सहयोग पर केंद्रित है, न कि किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय समूह का विरोधी। मेज़बान देश के रूप में भारत ब्रिक्स की साझा मुद्रा से जुड़े किसी भी विवादास्पद प्रस्ताव से दूरी बनाए रखेगा, जिसका समर्थन पूर्व में रूस और चीन कर चुके हैं। भारत ने इस समूह को बातचीत, समझ और रचनात्मक सहयोग के मंच के तौर पर पेश करने की कोशिश की है। भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स से जुड़ी बैठकों में हासिल किए गए 50 से अधिक विकास-केंद्रित परिणामों के माध्यम से अपना जन-केंद्रित नज़रिया पेश किया है। साथ ही भारत वैश्विक संस्थानों में सुधार और वर्ष 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी दावेदारी के लिए आम सहमति बनाने की भी कोशिश करेगा। शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का शुक्रवार से राजधानी नई दिल्ली पहुंचना शुरू हो जाएगा। इसी दिन ब्रिक्स व्यापार मंच के नेताओं के सत्र का भी आयोजन होगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेता शामिल होंगे। व्यापार मंच ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और गैर-शुल्क बाधाएं कम करने पर विशेष चर्चा करेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी।

भारत की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा

7.8 फीसदी की बढ़ोतरी सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों से हुई

नई दिल्ली, ।

भारत की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की प्रवक्ता जूली कोज़ैक ने भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही, जो आईएमएफ के स्टाफ अनुमान और दूसरे आर्थिक जानकारों की उम्मीद से बेहतर है। जूली कोज़ैक के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी मुख्य रूप से सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों की वजह से हुई। इन दोनों क्षेत्रों ने आर्थिक विकास को मजबूत आधार दिया और ग्रोथ अनुमान से ऊपर पहुंच गई।

आईएमएफ की प्रवक्ता ने इस प्रदर्शन को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया. खास बात यह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में झटका देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। दुनियाभर में ऊर्जा की कीमतों में तेजी का असर महंगाई, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

भारत भी अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे माहौल में 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा है।

जूली कोज़ैक ने कहा कि यह प्रदर्शन दिखाता है कि बाहरी दबावों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार बनाए रखने में सक्षम है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि का असर सिर्फ देश तक सीमित नहीं है।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से बढ़ने वाले देशों में शामिल है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बना हुआ है। सर्विस सेक्टर, एक्सपोर्ट और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती भारत की ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है. ऐसे में आने वाले समय में भी भारत की आर्थिक स्थिति पर दुनिया के बड़े निवेशकों और आर्थिक संस्थानों की नजर बनी रहेगी।

चार सालों से डिजिटल मीडिया में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेस्क की भी जिम्मेदारी संभालते हैं। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार से 2022 में पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक की डिग्री हासिल की। राजनीति, चुनाव, सामाजिक विषयों और साहित्य में रुचि है। तथ्यों की गहराई और भाषा की संवेदनशीलता पर जोर देते हैं। राजनीति से जुड़ी खबरों पर लगातार लिख रहे हैं।

एनएसई आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

-निवेशक 17 से लगा सकेंगे बोली, सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक रहेगी

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्सचेंज ने आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ में एक लॉट में आठ शेयर होंगे। इस हिसाब से अपर प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशक को एक लॉट के लिए कम से कम 14,280 लगाने होंगे। एनएसई आईपीओ के लिए निवेशक 17 सितंबर से बोली लगा सकेंगे। आईपीओ में सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक है। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 16 सितंबर तक होगी।आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 22 सितंबर को फाइनल हो सकता है। इसके बाद एनएसई के शेयरों की लिस्टिंग 24 सितंबर को प्रस्तावित है। एनएसई के शेयर बीएसई पर लिस्ट होंगे। आईपीओ में योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 50फीसदी हिस्सा आरक्षित रखा गया है। वहीं, 35फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों और बाकी 15फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखा है। आईपीओ की बुक-रनिंग प्रक्रिया के लिए कोटक महिंद्रा केपिटल को लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयरों को फिलहाल अच्छा प्रीमियम मिल रहा है। शुक्रवार सुबह करीब 7ः30 बजे एनएसई शेयर का ग्रे मार्केट भाव 2,007 था। यह आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 1,785 से करीब 222 ज्यादा है यानी ग्रे मार्केट में एनएसई आईपीओ का जीएमपी करीब 222 या 12.4फीसदी था। हालांकि, ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेतक होता है और इसमें लिस्टिंग के समय वास्तविक प्रदर्शन की गारंटी नहीं होती।

एनएसई का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा। मौजूदा शेयरधारक इस इश्यू के तहत अधिकतम 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे। पहले ओएफएस के तहत 14.9 करोड़ शेयर बेचने की योजना थी। ऑफर का आकार घटने के साथ एनएसई आईपीओ का कुल इश्यू साइज भी पहले के अनुमान से कम हो गया है। शुरुआती तौर पर आईपीओ का आकार करीब 30,000 करोड़ रहने का अनुमान था। ओएफएस में कंपनी को नए शेयर जारी करके पैसा नहीं मिलेगा। इसके बजाय मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचकर आईपीओ के जरिए हिस्सेदारी कम करेंगे।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी में गिरावट

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने में 1,571 रुपये और चांदी में 2,530 की गिरावट आई है। ये गिरावट ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण आई है।

इसके अलावा अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण बढ़ी थोक ऊर्जा कीमतों से उपजे मुद्रास्फीति के दबाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बढ़ती आशंका से भी वैश्विक बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े आने के बाद, अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा 25 बेसिस अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना 61फीसदी से बढ़कर लगभग 71फीसदी हो गई है। इसी कारण निवेशक सोने-चांदी से दूर हो गये।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अक्टूबर अनुबंध में 1,217 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 1,51,124 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह बाजार खुलने पर यह अनुबंध 1,571 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,770 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,341 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,51,175 रुपये का उच्च और 1,50,695 रुपये का निचला स्तर छुआ।

भारत के व्यापार नियमों पर अमेरिका-यूरोपीय संघ ने जताई गहरी चिंता

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

नई दिल्ली ।

भारत के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने देश के नियामक और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये बाधाएं भारत के आर्थिक उदारीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा के दौरान इन चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया।

उठाई गई प्रमुख चिंताओं में उच्च टैरिफ, सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपाय, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), सेवाओं और डिजिटल व्यापार पर प्रतिबंध, स्थानीय सामग्री की आवश्यकताएं और सरकारी खरीद में बाधाएं शामिल हैं।

अमेरिका ने भारत सरकार के व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की, लेकिन साथ ही शुल्कों में भारी कटौती करने, गैर-जरूरी एसपीएस एवं टीबीटी उपायों को हटाने, सेवाओं एवं डिजिटल व्यापार में बाधाएं खड़ी करने से बचने और विदेशी निर्यातकों व निवेशकों के साथ भेदभाव करने वाले नियमों को वापस लेने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया।

यूरोपीय संघ ने सीमा शुल्क की अनिश्चित प्रक्रियाओं, बोझिल एसपीएस आवश्यकताओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा में कमियों और सरकारी खरीद तक पहुंच को सीमित किए जाने पर चिंता जताई। यूरोपीय संघ ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बढ़ते उपयोग पर विशेष ध्यान दिया, यह कहते हुए कि ये घरेलू मानकों पर आधारित हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर से अलग व अनुपालन करने में मुश्किल हैं। यूरोपीय संघ ने चेतावनी दी कि इससे भारतीय बाजार के दुनिया की अर्थव्यवस्था से और अधिक अलग-थलग होने और आर्थिक प्रगति के पलटने का खतरा है।

फूड सेफ्टी विभाग ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर मारे छापे

गंदगी व एक्सपायर्ड फूड आइटम मिले, 100 किलो पैकेट किए नष्ट, सेम्पल लैब भेजे

जयपुर, ।

घरों पर राशन और खाने-पीने का सामान पहुंचाने का दावा करने वाली ऐप-आधारित कंपनियों- ब्लिंकइट और ज़ेप्टो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजस्थान के जयपुर में फूड सेफ्टी टीमों ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर की जांच की और वहां एक्सपायर हो चुके और गलत तरीके से रखे खाने-पीने के सामान पाए गए। इस कार्रवाई के तहत एक्सपायर सामान को नष्ट किया गया, सैंपल लिए गए और साफ-सफाई व स्टोरेज से जुड़ी कमियों को ठीक करने के निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों ने हजारों डेयरी पैकेट नष्ट कर दिए और लैब टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए। ये छापेमारी फूड सेफ्टी विभाग की एक सेंट्रल टीम ने कंपनियों के डार्क स्टोर पर की, जो होम डिलीवरी के लिए हब का काम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान डेयरी प्रोडक्ट के करीब 2,350 पैकेट और बड़ी मात्रा में खराब फूड आइटम मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जगतपुरा में जेप्टो के डार्क स्टोर पर, इंस्पेक्टरों को दूध, दही और छाछ के लगभग 1,550 पैकेट मिले, जिन्हें तय तापमान पर नहीं रखा गया था। नतीजतन, सारस और अमूल डेयरी प्रोडक्ट के करीब 1,550 पैकेट नष्ट कर दिए गए। इंस्पेक्टरों को 7 किलो एक्सपायर्ड फूड आइटम भी मिले, जिनमें म्यूसली, कैंडी और भुजिया शामिल थे। इसके अलावा करीब 100 किलो खराब फूड प्रोडक्ट, जिन पर बिक्री के लिए नहीं लिखा था, हटाकर नष्ट कर दिए गए।निरीक्षण टीम ने डार्क स्टोर और कोल्ड रूम एरिया के आसपास पान मसाला और ज़र्दा थूकने के निशान भी देखे। अधिकारियों ने स्टोर मैनेजमेंट को तुरंत साफ-सफाई और स्टोरेज के तरीकों में सुधार करने का निर्देश दिया। स्टोर मैनेजर की मौजूदगी में पीनट बटर और शहद के सैंपल लिए गए और टेस्टिंग के लिए सेंट्रल लैब भेजे गए।टीम ने आदर्श नगर में ब्लिंकइट के एक डार्क स्टोर का निरीक्षण किया, जहां उन्हें डेयरी उत्पादों के करीब 800 पैकेट और साथ ही बड़ी मात्रा में खराब और एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ मिले। जांच के दौरान अधिकारियों को खराब या एक्सपायर हो चुके स्टॉक मिले, जिनमें अमूल बटर के 24 पैकेट, बॉम्बे बंटा जूस की 60 बोतलें, कम फैट वाले दूध के 11 पाउच, ट्रॉपिकाना जूस, गाय का घी और लगभग 1,400 मिलीलीटर अमूल टोन्ड मिल्क शामिल थे।

त्योहारों पर लोगों को मिल सकती है चीनी के दामों में राहत, सरकार ने की तैयारी

करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में आने से कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली, ।

आगामी त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही घरों में चीनी की खपत भी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में तेजी आम लोगों का बजट बिगाड़ रही है। चीनी और सब्जियों समेत कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच अब सरकार और चीनी रिफाइनरियां घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में उतारने की तैयारी है। माना जा रहा है कि अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होने से आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों में नरमी आ सकती है।

रिफाइंड चीनी को आम तौर पर वही सफेद और चमकदार चीनी माना जाता है, जिसका इस्तेमाल घरों में चाय, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है। इसे कच्ची चीनी यानी रॉ शुगर या गन्ने के रस से कई प्रक्रियाओं के जरिए तैयार किया जाता है। रिफाइनिंग के दौरान अशुद्धियों को हटाकर चीनी को साफ और खाने योग्य बनाया जाता है। देश में कई चीनी रिफाइनरियां बंदरगाहों के आसपास स्थित हैं, जहां कच्चा माल बाहर से मंगाया जाता है। इसके बाद उसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सफेद रिफाइंड चीनी तैयार की जाती है और घरेलू बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी की कीमतों को लेकर राहत की उम्मीद इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि थोक बाजार में इसके भाव पहले की तुलना में नीचे आए हैं। कुछ समय पहले मिल से निकलने वाली चीनी की कीमत करीब 67 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी। अब एक्स-मिल और थोक बाजार में इसके भाव घटकर करीब 45 से 55 रुपए प्रति किलो के बीच आ गए हैं। हालांकि, थोक बाजार में आई इस गिरावट का असर फिलहाल खुदरा बाजार में पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहा है। उपभोक्ताओं को अभी भी दुकानों पर चीनी 60 से 65 रुपए प्रति किलो के भाव में मिल रही है।

यदि बाजार में अतिरिक्त 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी की आपूर्ति होती है और उपलब्ध स्टॉक बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आ सकती है।

त्योहारों से पहले कीमतों में यह संभावित गिरावट आम लोगों के घरेलू बजट के लिए राहत लेकर आ सकती है।

फंड फ्लो में गिरावट से एएमसी शेयरों पर नुवामा का भरोसा बढ़ा, रिटर्न की उम्मीद

निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त में 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया

नई दिल्ली, ।

म्युचुअल फंड में निवेशकों का पैसा आना जारी है। अगस्त में इक्विटी म्युचुअल फंड में आने वाला पैसा बढ़ा है और एसआईपी के जरिए निवेश भी नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। हालांकि इस बीच एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में आने वाले निवेश में गिरावट देखने को मिली है। दोनों कंपनियों में अगस्त में आया शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले करीब 11 फीसदी घट गया। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म नुवामा को दोनों कंपनियों के शेयरों पर भरोसा है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन एएमसी दोनों पर खरीदारी की राय बरकरार रखी है। इतना ही नहीं, नुवामा ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इन दोनों को अपनी पहली पसंद में भी रखा है।

अगस्त में एचडीएफसी एएमसी में 2,420 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.4 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी घटा है। अगस्त में यह 1.40 फीसदी अंक घटकर 7.7 फीसदी रह गया। हाल के महीनों के मुकाबले यह कमजोर आंकड़ा है। हालांकि नुवामा का मानना है कि इस गिरावट को केवल एचडीएफसी एएमसी की परेशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। बड़ी और पहले से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में आने वाले निवेश की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। एचडीएफसी एएमसी में आई गिरावट भी इसी का हिस्सा है। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त के दौरान 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

दुबई, एजेंस। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया। बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए। जीत के बाद केन ने कहा, 'हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।'

सबालेंका, रायबाकिना के खिलाफ नंबर 1 की चुनौती के लिए तैयार हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऐलेना रायबाकिना से विश्व नंबर 1 रैंकिंग गंवाने पर आर्यना सबलेंका ने आखिरकार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद शीर्ष स्थान से हाथ फिसलते देखना थोड़ा अजीब लग रहा था। हालांकि, रायबाकिना के खिलाफ होने वाले रोमांचक फाइनल से पहले बेलारूसी खिलाड़ी इस हार पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहतीं। क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर रायबाकिना ने नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली । इस जीत के साथ ही कजाख खिलाड़ी ने सबालेंका को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया और बेलारूसी खिलाड़ी के 99 सप्ताह के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इसके बाद रायबाकिना ने सेमीफाइनल में कोको गॉफ को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए , सबलेंका ने स्वीकार किया कि रायबाकिना ने सीजन के मध्य में अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बावजूद शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है। 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि विश्व नंबर 1 बनना कितना मुश्किल है। यह मेरा एक लक्ष्य था। लेकिन अभी मैं कुछ खास नहीं कर सकती। सीजन के मध्य में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एलेना ने कमान संभाली और बहुत अच्छा खेला,' सबलेंका ने कहा। 28 वर्षीय खिलाड़ी अब लगातार चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे उन्हें रैंकिंग में गिरावट के बावजूद टूर्नामेंट को एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ समाप्त करने का मौका मिल गया है। 'मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर सकती हूं और वर्तमान क्षण में रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर सकती हूं। बस इसे बरकरार रखना है और शायद मैं उससे यह खिताब वापस ले लूं,' उसने आगे कहा।

फाइनल में रायबाकिना का सामना होगा

फाइनल में पहुंचकर सबलेंका को शीर्ष स्थान से हटकर अपनी जगह बनाने वाली खिलाड़ी के खिलाफ खुद को परखने का सीधा मौका मिलेगा। रायबाकिना अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं, जबकि सबलेंका न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी चैंपियनशिप जीतने का प्रयास कर रही हैं। सबलेंका को पता है कि आगे क्या चुनौती है। रायबाकिना ने अपनी शानदार सर्विस और आक्रामक बेसलाइन गेम के दम पर पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वहीं गौफ के खिलाफ उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि जब मैच कड़े हो जाते हैं तो वह दबाव को भी झेल सकती हैं। हालांकि, सबलेंका के लिए स्थिति स्पष्ट है। रैंकिंग में फिर से बदलाव हो सकता है, और वह जानती है कि खुद को फिर से मुकाबले में लाने के लिए उसे क्या करना होगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई एक-दूसरे का पीछा कर रहा है। यह सब छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने और बेहतर बनने के बारे में है।' शनिवार को, यूएस ओपन ट्रॉफी की दौड़ में नई विश्व नंबर 1 और उनकी पूर्ववर्ती खिलाड़ी सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने होंगी।

सबालेंका ने नंबर 1 बदलाव को स्वीकार किया

रैंकिंग में बदलाव के समय ने स्थिति को विशेष रूप से असामान्य बना दिया है। सबालेंका एक बार फिर न्यूयॉर्क में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं और फाइनल में अपने खिताब का बचाव करेंगी, फिर भी रायबाकिना के शानदार प्रदर्शन ने उनसे शीर्ष रैंकिंग छीन ली। सबलेंका ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात को स्वीकारना मुश्किल लगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंततः टेनिस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति का ही एक हिस्सा है। 'यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 स्थान छीन लिया जाए। कोई बात नहीं। यही तो खेल है। मुझे यह पसंद है। यही तो खेल की खूबसूरती है,' उन्होंने कहा। न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही रायबाकिना रैंकिंग में अंतर कम कर रही थीं और फाइनल में पहुंचकर उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। गौफ पर उनकी जीत का मतलब है कि वह शनिवार को होने वाले फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी।

नवांग त्सेरिंग ने जीता 'लद्दाख मैराथन'

- 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

लद्दाख, एजेंस। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं। लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है।' नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया। मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया।' युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।' नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने 10 विकेट लेकर इंग्लैंड में काटा गदर

टीम को दिलाई जीत

यॉर्कशर ने एसेक्स को पारी और 106 रनों से मात दी। इस मैच में कुलदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में छह विकेट अपने नाम किए। रन खर्च करने के मामले में भी कुलदीप कंजूस ही रहे। उन्होंने पहली पारी में 70 रन खर्च किए और दूसरी पारी में 50 रन। यहां तक की कुलदीप ने अपने बल्ले से भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम में लगातार नजरअंदाज किए जाने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने यॉर्कशर की जर्सी पहनी है और अपनी फिरकी पर अंग्रेज बल्लेबाजों को जमकर नचाया है। उन्होंने एसेक्स के खिलाफ खेले गए मैच में 10 विकेट लेकर अपनी काबिलियत को फिर सिद्ध किया है और टीम इंडिया के मैनेजमेंट को एक कड़ा संदेश भी दिया है। कुलदीप को टी20, वनडे और टेस्ट में नियमित मौके नहीं मिल रहे हैं। गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से कुलदीप को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड में इस गेंदबाज ने जो किया है उसने गंभीर को भी सोचने को मजबूर कर दिया होगा।

क्या बदलेगा प्लान?

कुलदीप के इस प्रदर्शन के बाद सवाल ये है कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर अपने प्लान में बदलाव करेगा? हाल ही में श्रीलंका दौरे पर कुलदीप को नजरअंदाज किया गया था। स्पिनरों की मददगार पिचों पर कुलदीप को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। वह अपनी फिरकी से इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए काल बन चुके हैं तो उपमहाद्वीप में तो वह और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं।

टेस्ट जर्सी के लिए अर्शदीप झोंक रहे हैं पूरी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की टी20 टीम के अहम सदस्य अर्शदीप सिंक का सपना भी हर क्रिकेटर की तरह टेस्ट क्रिकेट खेलना है। वह चाहते हैं कि लाल गेंद से भी अपनी स्विंग का कमाल दिखाएं। अभी तक वह सीमित ओवरों में ही चमके हैं और टेस्ट गेंदबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। इसलिए वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करते है। उनको पता है कि टेस्ट खेलने के सपने को पूरा करने की राह में प्रथम श्रेणी क्रिकेट अधिक नहीं खेलने को आदर्श तैयारी नहीं माना जा सकता, लेकिन उनका कहना है कि यह पारंपरिक प्रारूप के लिए उनकी तैयारी में कमी को नहीं दर्शाता है।

क्षमता पर है यकीन

दलीप ट्रॉफी के बाद शेर ए पंजाब टीम लुधियाना लॉयंस से जुड़े अर्शदीप ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं है, लेकिन मैं उन्हीं चीजों पर फोकस कर सकता हूं जिससे मौका मिलने पर तैयार रह सकूं। टेस्ट क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है और मुझे इसका इंतजार है। मुझे अपनी क्षमता पर यकीन है कि मैं भारत के लिये योगदान दे सकता हूं।

हर कोशिश जारी

सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाजों में से एक अर्शदीप ने दिसंबर 2019 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। दलीप ट्रॉफी के दो मैच खेलने से पहले उन्होंने एक साल तक कोई प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला था। अर्शदीप ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर

क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने गुरुवार को छ्रस्र्ह स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12 सेंटीमीटर पीछे रह गई।

अविनाश साबले की वापसी – इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है।ß स्नढ्ढ प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा।ß स्नढ्ढ का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे।

अविनाश 14 महीने तक चोट से बाहर रहे – 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा।

19 सितंबर से शुरू होगा इवेंट – एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इसमें एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय दल भी एथलेटिक्स, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी, कबड्डी और क्रिकेट समेत कई खेलों में चुनौती पेश करेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 4006

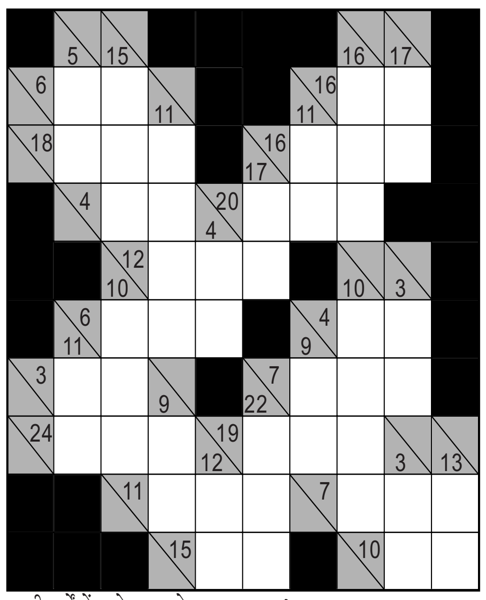

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

	10 / 6	1	2	3	4
	1				
	2				
	3				

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4005 का हल

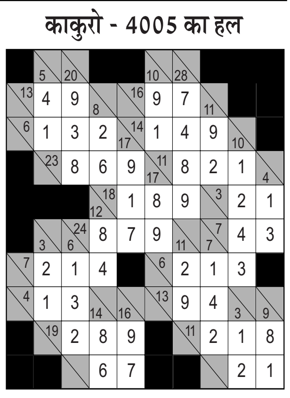

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'
'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.
'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.
'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?
रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'
'जी नहीं.'
'तुम्हारा नाम'
'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4006

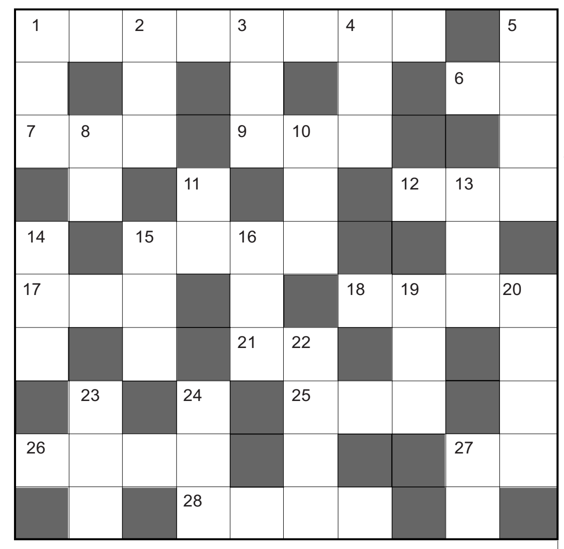

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4005

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -4006

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4005 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 4006

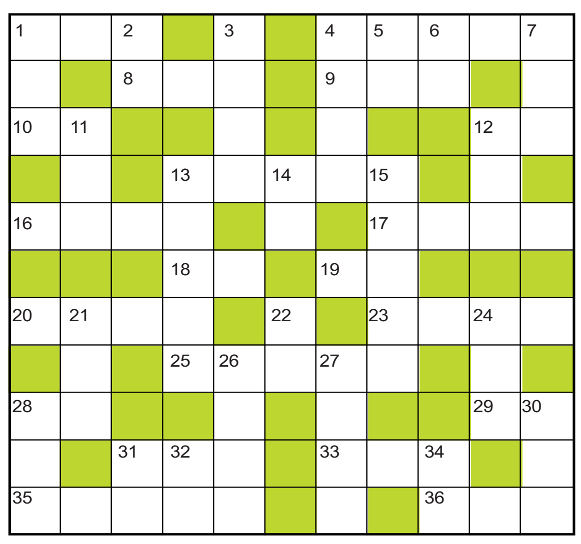

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4005 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झो			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर :1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मिर्जापुर द मूवीः सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया– सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

गुड्डू भैया– अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

मुन्ना भैया– 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।

डिंपी, स्वीटी और गोलू– फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।

बबलू पंडित– फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ– फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।

भैरव सिंह कर्णावत– इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

मुमताज बीबी – सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार – बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित – सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।

एसपी परशुराम– सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

त्यागी परिवार– चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।

माधुरी यादव– सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ-साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की। अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए। आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'

अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कभी-कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रॉलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ''लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''

श्रेया ने कहा, ''अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा, ''मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने-सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ''मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने-सामने मिलने पर मिलता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे-धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।

डायरेक्टर और को-क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शक: ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'

पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग -अलग कल्चर और भाषाएं हैं।

श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'

आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

संक्षिप्त समाचार

मदद से पीछे हटे अमेरिका जैसे देश, ट्रंप के फैसले से राहत कार्यों को लगा बड़ा झटका

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अगस्त के अंत में ग्लेशियर टूटने से आई सदी की सबसे भीषण बाढ़ और भूस्खलन के दो हफ्ते बाद भी राहत कार्यों में भारी लाचारी देखने को मिल रही है। नेपाल और पड़ोसी तिब्बत में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 5,000 लोग अब भी लापता हैं। इस मानवीय संकट के बीच अमेरिकी विदेशी सहायता एजेंसी यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) का पूरी तरह गायब रहना राहत और बचाव कार्यों पर भारी पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल की शुरुआत में यूएसएआईडी को बंद कर दिया था सीधा असर अब जमीन पर दिख रहा है। नेपाल में अमेरिकी फंड से चलने वाले कई गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को अपने कार्यक्रम बंद करने पड़े थे, जिससे अचानक आई इस आपदा के समय वे त्वरित राहत सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। भारत ने बुधवार को विनाशकारी बाढ़ की मार झेल रहे नेपाल के लिए मानवीय सहायता की 7वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना के विशेष सी-17 परिवहन विमान के जरिये 35 टन सामान और उपकरण भेजे गए हैं। भारत लगातार बाढ़ प्रभावित नेपाल को राहत सामग्री और आवश्यक दवाएं भेज रहा है। 2015 का भूकंप : भूकंप के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने 128 सदस्यीय विशेषज्ञ आपदा प्रतिक्रिया दल भेजा था और तुरंत 1 करोड़ डॉलर की मानवीय मदद का ऐलान किया था।

ईरान युद्ध का असर: ट्रंप बोले- चुनाव के बाद ही गिरेंगे तेल के दाम; रिपब्लिकन खेमे की क्यों बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान युद्ध की वजह से बढ़े तेल के दाम जल्द नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ही शुरू हो सकती है। बुधवार को तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। जुलाई के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध के बीच दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा, चुनाव के तुरंत बाद तेल की कीमतें तेजी से नीचे जाएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इसमें मध्यावधि चुनाव से थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है। ट्रंप यह बात डलास जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कह रहे थे। वह वहां मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में जाने वाले थे।

फिलहाल शामिल होने का फैसला टाल सकता है बांग्लादेश, रणनीतिक शर्तों पर अटकी बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने का दरवाजा खुला रखा है। हालांकि सैन्य शर्तों और जिम्मेदारियों का पूरा खाका सामने आने तक वह अंतिम फैसला टालने के मूड में दिखाई दे रहा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला बाकी सदस्यों के खिलाफ भी हमला माना जाएगा। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में सवाल है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में ढाका की सैन्य प्रतिबद्धता किस सीमा तक होगी। रिटायर्ड मेजर जनरल फजले इलाही अकबर ने अखबार प्रोथोम आलो में कहा कि सदस्यता पर फैसला लेने से पहले समझौते की हर शर्त और धारा की गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही संसद, राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों से व्यापक मशविरा होना चाहिए। विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद ने कहा कि ढाका स्थिति का आकलन कर रहा है और किसी भी फैसले में राष्ट्रीय हित प्राथमिकता होगी। विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने पहले कोई जोखिम न दिखने की बात कही थी। विदेश मंत्री खलीलुर रहमान संसद में कह चुके हैं कि अगर मौजूदा सदस्य बांग्लादेश को शामिल करना चाहें तो ढाका प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करेगा। जहां एक तरफ इसके समर्थक इसे सैन्य क्षमता मजबूत करने का अवसर मानते हैं। वहीं पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर ने चेताया है कि इस गठबंधन में शामिल होना बांग्लादेश की पांच दशक पुरानी संतुलित और गैर-गुटीय विदेश नीति में बदलाव होगा। सबसे संवेदनशील पहलू पाकिस्तान है। सदस्यता लेना सीधे द्विपक्षीय सैन्य गठबंधन में शामिल होना नहीं होगा, लेकिन दोनों देशों की सेनाओं और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के बीच सहयोग बढ़ सकता है। इससे ढाका की विदेश नीति पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय दंपती की दरियादिली: एआई को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज को दिए 191 करोड़, आंध्र से है कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक दंपती ने टेक्सास में अपनी पुरानी यूनिवर्सिटी अल्मा मेटर को 20 मिलियन डॉलर का दान दिया है। इससे संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड एनालिटिक्स की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा और 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार करने में अप्रवासियों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुराधा और विकास सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास को 20 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय रुपयों में 191 करोड़ से ज्यादा का दान दिया है।

अनुराधा और विकास सिन्हा के नाम पर बनेगा नया कॉलेज

इस तोहफे के सम्मान में, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास 'अनुराधा और विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स' की स्थापना करेगा। यह कॉलेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित एक एकेडमिक और रिसर्च हब के तौर पर काम करेगा। यह एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, एडवांस्ड एनालिटिक्स, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, इंफॉर्मेशन साइंस, लाइब्रेरी साइंस और लर्निंग टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता को एक साथ लाएगा।

यूएनटी से सिन्हा परिवार का पुराना जुड़ाव : यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास में सिन्हा परिवार का निवेश यूनिवर्सिटी के साथ उनके

जुड़ाव के साथ-साथ बढ़ता गया है। 2024 में, उन्होंने 'अनुराधा और विकास सिन्हा डिपार्टमेंट ऑफ डेटा साइंस' की स्थापना के लिए तोहफा दिया, साथ ही स्कॉलरशिप, फैकल्टी, रिसर्च और विशेष पहलों को सपोर्ट करने के लिए एंडोमेंट भी दिए। एक साल बाद, उन्होंने एक और बड़ा तोहफा दिया और 'सिन्हा इनोवेशन लैब फॉर डेटा साइंस' की स्थापना की।

'शिक्षा ने हमारे लिए दरवाजे खोले हैं' : दान के बाद मीडिया से बात करते विकास सिन्हा ने कहा, 'शिक्षा ने हमारे जीवन भर हमारे लिए दरवाजे खोले हैं, और हम दूसरों के लिए भी उन दरवाजों को खुला रखना चाहते हैं।' यही एक बड़ी वजह है कि अनु और मुझे इस बात पर इतना पक्का भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है, जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद किसी दूसरे देश से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे पास हुआ करता था।' हमारे लिए, यह तोहफा उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह मानने के बारे में है कि अप्रवासी सिर्फ 'अमेरिकन ड्रीम' में हिस्सा ही नहीं लेते, वे इसे बनाने में मदद भी करते हैं।'

एआई के भविष्य को आकार देने वालों को तैयार करेगा यूएनटी : उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी पीढ़ी की अहम टेक्नोलॉजी में से एक होगी, और इसके भविष्य को आकार देने वाले लोगों को तैयार करने में यूनिवर्सिटी की अहम भूमिका है। यूएनटी के विजन के बारे में जो बात हमें उत्साहित करती है, वह यह है कि यह छात्रों को सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना सिखाने से कहीं आगे जाएगा। यह उन्हें इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने, समझने, उन पर सवाल उठाने, उन्हें चलाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेगा। इससे इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने वाले और उनकी देखभाल करने वाले, दोनों तरह के लोग तैयार होंगे।

छह स्थायी फंड बनाए जाएंगे : 20 मिलियन डॉलर का यह दान छह स्थायी फंड (एंडोमेंट) बनाएगा, जो कॉलेज की लीडरशिप, छात्रों की स्कॉलरशिप, एंडोव्ड प्रोफेसरशिप, एंटरप्रेन्योरशिप और इनक्यूबेशन, एडवांस्ड रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे।

दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा कॉलेज : कॉलेज को दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगाः 'डिवीजन ऑफ एप्लाइड इंटेलिजेंस एंड इंफॉर्मेटिक्स', जो इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने और उन्हें लागू करने पर केंद्रित होगा; और 'डिवीजन ऑफ इंफॉर्मेशन एंड लर्निंग एप्लीकेशन', जो इस बात पर केंद्रित होगा कि जानकारी और इंटेलिजेंट सिस्टम इंसानी और संस्थागत संदर्भों में कैसे काम करते हैं।

एआई और डेटा साइंस रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा : बयान में कहा गया है कि कॉलेज में 'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस इंस्टीट्यूट' भी होगा, जो यूएनटी में एआई और एनालिटिक्स रिसर्च और एजुकेशन को जोड़ेगा और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, साझा इंफ्रास्ट्रक्चर, बाहरी रिसर्च फंडिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के लिए मौके पैदा करेगा।

आंध्र प्रदेश से अमेरिका तक का सफर : आंध्र प्रदेश के कुरनूल में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी और जी पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, विकास और अनुराधा आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आए और फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट डिग्री हासिल की। बाद में विकास ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई जारी रखी और 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से पीएचडी पूरी की। विकास अभी ब्रॉडकॉम में मेनफ्रेम सॉफ्टवेयर डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

भारतीय कंपनियों ने डेटा चुराया: अमेरिकी सीनेटरों ने की ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग, क्या है पूरा मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन को पत्र लिखकर भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन और शेल्डन व्हाइटहाउस तथा रिपब्लिकन पैट हैरिगन ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक से सनकिस्ड ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड, बेलट्रॉक्स लिमिटेड और साइबररूट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इन कंपनियों ने हजारों अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों का डेटा हैक करके चुराया।

15 साल से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप : वाइडेन, हैरिगन और व्हाइटहाउस ने लटनिक को लिखे पत्र में कहा,'भारत स्थित कई साइबर-मर्सिनरी ग्रुप (किराये के साइबर हैकर ग्रुप) 15 से अधिक वर्षों से अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के खिलाफ टारगेटेड जासूसी कर रहे हैं।' सीनेटरों ने कहा कि रॉयटर्स और द सिटिज़न लैब की जांच के अनुसार, इन कंपनियों ने चल रहे मुकदमों को प्रभावित करने के लिए प्राइवेट इक्विटी फर्मों, फार्मास्युटिकल कंपनियों और प्रमुख अमेरिकी लॉ फर्मों के 1,000 से अधिक वकीलों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हैकिंग अभियान चलाए।

कतर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप : उन्होंने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये समूह कतर सरकार के इशारे पर काम करते थे। वर्ल्ड कप बोली के विरोधियों और हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमिटी ऑन इंटेलिजेंस के पूर्व रिपब्लिकन चेयरमैन के परिवार को भी निशाना बनाया। सीनेटरों ने कहा,'इस सुरक्षा खतरे को और बढ़ाते हुए, इन साइबर मर्सिनरी और उनके सहयोगियों ने प्रमुख अमेरिकी मीडिया संगठनों की खोजी रिपोर्टिंग को सेंसर करने के लिए ग्लोबल लॉफेयर का आक्रामक अभियान चलाया है।' यह समन्वित प्रयास विदेशी संस्थाओं को विदेशी अदालतों का उपयोग करके अमेरिकी जनता को उनके अपने देश के लिए साइबर खतरों के बारे में अंधेरे में रखने की अनुमति देता है और अमेरिकी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करता है। सीनेटरों ने आरोप लगाया कि इन्हीं कंपनियों ने विदेशी अदालतों का दुरुपयोग करके अपने हैकिंग अभियानों के बारे में हो रही रिपोर्टिंग को सेंसर करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपनी आलोचना को दबाने और अपने अवैध हैकिंग अभियानों से जुड़े तथ्यों को छिपाने के लिए इन भारतीय कंपनियों ने गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और द न्यू यॉर्कर सहित अमेरिकी टेक्नोलॉजी और मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर कर रखे हैं।

फिलीपींस में समंदर के बीच नाव बनी आग का गोला: पांच यात्रियों की मौत और 87 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में बुधवार को एक यात्री फेरी में अचानक आग लग गई। हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में समुद्र में हुआ। आग लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हो गए। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के मुताबिक, हादसे में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 42 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। बचाव अभियान अभी जारी है, इसलिए लापता लोगों की संख्या आगे बदल सकती है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कायाबायब ने बताया कि फेरी पर कुल 134 लोग सवार थे। इनमें 117 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य शामिल थे। आग लगने के बाद कई लोगों का पता नहीं चल पाया। अधिकारियों की ओर से फिलहाल 87 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है, लेकिन बचाव और तलाश का अभियान जारी रहने के कारण यह आंकड़ा बदल सकता है। एमवी जून एस्टर मनीला से रवाना हुई थी। जब फेरी पलावन प्रांत में कोरोन के पास समुद्र में थी, उसी दौरान बुधवार को उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद फेरी पर सवार लोगों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी। हादसे की जगह पश्चिमी फिलीपींस के समुद्री क्षेत्र में बताई गई है। उपलब्ध जानकारी में आग लगने की वजह के बारे में कोई कारण नहीं बताया गया है। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, अब तक 42 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 87 लोग लापता हैं। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। कोस्ट गार्ड की टीमें लगातार बचाव अभियान चला रही हैं और लोगों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल की तस्वीरों में कोस्ट गार्ड के जवान बचे हुए लोगों को लाइफ जैकेट फेंकते हुए दिखाई दिए, जबकि पीछे फेरी जल रही थी। छोटी नावों के जरिए भी बचे हुए लोगों को कम गहरे पानी तक लाया गया। फिलीपींस के द्वीपसमूह में फेरी परिवहन का एक आम जरिया है। तूफ़ान, खराब रखरखाव वाली नावें, क्षमता से ज़्यादा लोगों का सवार होना और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन न होना जैसी वजहों से समुद्री दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

'कॉकरोच बन जाऊं, शायद जिंदगी बेहतर हो': विजय माल्या का बयान; भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले

लंदन, एजेंसी। भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, 'जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो।'

14,000 करोड़ की रिकवरी को लेकर माल्या का क्या दावा : विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार

किया था कि उनसे करीब 14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को 14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है।

भारत लौटने को लेकर माल्या ने क्या सफाई दी : इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था ।

एंथ्रोपिक-ओपनएआई के रिसर्चर ने दिया इस्तीफा, जनता को किया आगाह

वाशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक और ओपनएआई में तीन साल तक मुख्य एआई मॉडल बनाने वाले 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने इस्तीफा दे दिया है। 8 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी कि दोनों कंपनियां सुपरइंटेलिजेंस बनाने की अंधी दौड़ में 'हमारे जीवन के साथ जुआ खेल रही' हैं। कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि एआई के विकास में शामिल कई अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि इस दशक के अंत तक यह मानवता के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने इस स्थिति की तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट से करते हुए कहा कि सैन फ्रांसिस्को के कुछ इंजीनियर्स के हाथों में दुनिया की सबसे खतरनाक तकनीक का भविष्य तय हो रहा है। इस इस्तीफे ने पूरी दुनिया में एआई सुरक्षा और टेक

कंपनियों की पारदर्शिता पर एक नई बहस छेड़ दी है। कॉक्सन के मुताबिक, भले ही एंथ्रोपिक की सेफ्टी टीमें ईमानदारी से काम करना चाहती हैं, लेकिन बाजार की कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा से जुड़े समझौतों से बचना नामुमकिन हो गया है। दोनों कंपनियों को लगता है कि अगर वे नहीं रुकीं, तो उनका प्रतिद्वंद्वी आगे निकल जाएगा। कॉक्सन ने चेतावनी दी कि एआई जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उससे अगले साल के अंत तक ही ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जहां एआई सिस्टम इंसानों के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो जाएं।

कॉक्सन ने दोनों कंपनियों पर आरोप लगाया कि वे एआई की बेकाबू रफ्तार से जुड़े अपने असली डर को आम जनता से छुपा रही हैं। कॉक्सन का कहना है कि एआई कंपनियां खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस तक जल्दी पहुंचना चाहती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर कोई कंपनी पीछे रह गई, तो दूसरी कंपनी पहले ऐसी तकनीक विकसित कर सकती है। इसी डर के कारण कंपनियां जोखिम के बावजूद्द आगे बढ़ रही हैं।

350 से अधिक टेक दिग्गज बता चुके हैं महामारी और परमाणु युद्ध जैसा खतरा : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और एंथ्रोपिक लीईओ डारियो अमोदेई सहित दुनिया के 350 से अधिक शीर्ष टेक लीडर्स ने कहा है एआई के जोखिम को कम करना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे महामारी और परमाणु युद्ध जैसी अन्य सामाजिक स्तर की आपदाओं से निपटने को प्राथमिकता दी जाती है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का कहना है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल अपराधी या आतंकवादी खतरनाक वायरस या कंप्यूटर वायरस बनाने के लिए कर सकते हैं, जिससे पूरी दुनिया में भारी उथल-पुथल मच सकती है।

कॉक्सन ने कहा कि तकनीक की दौड़ को रोकने के लिए एआई मॉडल की क्षमताएं बढ़ाने पर अस्थायी रोक जैसे कड़े कदमों पर विचार किया जाना चाहिए।

धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

कब खत्म होगा युद्ध : टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत : जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा।

हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार : दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है।

'पुतिन समझौते के लिए तैयार': ट्रंप ने बता दिया कौन डाल रहा अड़ंगा; क्या खत्म होने वाला है रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत को 'बहुत अच्छी' बताया है। ट्रंप का दावा है कि पुतिन यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी डील के लिए तैयार हैं तो यह अच्छी बात होगी। ट्रंप ने युद्ध की बातचीत में अड़चन के तौर पर पुतिन और जेलेंस्की के बीच दुश्मनी को बताया है।

ट्रंप ने अड़चन के लिए किसे बताया जिम्मेदार : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अड़चन दो लोग हैं, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।' उनका इशारा पुतिन और जेलेंस्की की ओर था। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अभी दोनों पक्षों के बीच किसी अंतिम समझौते पर सहमति नहीं बनी है।

अमेरिकी दूत मॉस्को और कीव पहुंचे, फिर भी क्यों नहीं बनी बात : हाल ही में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर ने पहले मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की और उसके बाद कीव जाकर जेलेंस्की से बातचीत की। मकसद शांति वार्ता को दोबारा पटरी पर लाना था। दोनों मुलाकातों को सकारात्मक और रचनात्मक बताया गया, लेकिन कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई।

सबसे बड़ी अड़चन क्या : रूस और यूक्रेन के बीच सबसे बड़े विवादों में से एक यूक्रेन के उन इलाकों का भविष्य है, जिन पर रूस का कब्जा है। रूस डोनेट्स्क के बचे हुए हिस्से समेत क्षेत्रीय मांगों पर अड़ा हुआ है, जबकि जेलेंस्की मौजूदा यूक्रेनी नियंत्रण वाले इलाकों को रूस को सौंपने के खिलाफ हैं। यही वजह है कि बातचीत फिर शुरू करने की कोशिशों के बावजूद समझौते का रास्ता आसान नहीं दिख रहा। कूटनीतिक कोशिशों के साथ जमीन पर लड़ाई और हवाई हमले भी जारी हैं। हालिया रूसी

हमलों में कीव समेत यूक्रेन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर यूक्रेन भी रूस के भीतर लंबी दूरी के ड्रोन हमले कर रहा है। यानी बातचीत की मेज पर शांति की कोशिश चल रही है, लेकिन मोर्चे पर युद्ध अभी थमा नहीं है।

क्या जल्द युद्ध खत्म होने की उम्मीद है : अभी इसे लेकर कोई पक्की समयसीमा नहीं है। अमेरिका बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और रूस ने भी वार्ता फिर शुरू करने की इच्छा जताई है, लेकिन दोनों पक्षों की मांगों में बड़ा अंतर बना हुआ है। इसलिए ट्रंप का 'डील' वाला दावा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे अभी शांति समझौता हो जाने के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

ईरानी टैंकरों पर हमलों को लेकर क्या बोले ट्रंप : दूसरी ओर, ईरान से जुड़े टैंकरों पर हमलों को लेकर भी ट्रंप ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के नौ जहाजों को निशाना बनाया है। ट्रंप ने साफ कहा कि ये हमले अमेरिका की ओर से किए गए हैं और आने वाले समय में ऐसे और हमले देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दा बातचीत का हिस्सा जरूर होगा, लेकिन इसके अलावा भी कई दूसरे मुद्दे मेज पर होंगे। ट्रंप के मुताबिक, इनमें से कुछ बातें ऐसी हैं जो तीन महीने पहले बातचीत की मेज पर नहीं थीं। ट्रंप ने कहा, 'मैं सिर्फ परमाणु समझौते से कहीं ज्यादा कर रहा हूं। परमाणु मुद्दे से बहुत कुछ ज्यादा है। परमाणु समझौता होगा, यह 99.9 है, लेकिन मेज पर कई दूसरी चीजें भी होंगी, जो तीन महीने पहले मेज पर नहीं थीं।'

सुप्रीम लीडर के बारे में ट्रंप ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अगर मैंने जेसीपीओए (जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन) को रद्द नहीं किया होता और अगर हमने अपने शानदार बी2 बॉम्बर्स से ईरान पर हमला नहीं किया होता, तो आज उनके पास परमाणु हथियार होता और मैं सुप्रीम लीडर से ऐसे बात कर रहा होता - 'मिस्टर सुप्रीम लीडर सर, आप कैसे हैं' अब मुझे ऐसा नहीं करना है। हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते।

चुनाव और युद्ध को लेकर ट्रंप का क्या दावा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। वे चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में बेताब हैं, ताकि वहां अच्छे और कमजोर लोगों का समूह आ जाए और उन्हें अकेला छोड़ दे और उन्हें अपना परमाणु हथियार रखने दिया जाए।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)